डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 303 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 18 अगस्त 2024 | मूल्य 2 रुपया

✲ उठावना ✲

बड़े दुख के साथ सूचित करने में आता है स्वर्गीय श्री बद्रीलालजी मंडोवरा के सुपुत्र एव स्व. गोपालकृष्ण जी , स्व.निर्मलकुमार जी व सत्यनारायण (नीमच) संनत, हरीश एवं किशोर (गोविन्द) मंडोवरा (जलगांव) के बड़े भाई साहब तथा सुधा, संजय, संदीप के पूज्य पिताजी व राजेंद्र राधावल्लभ (नीमच) के अंकल जी व उत्कर्ष संदेश आशीष योगेश, संकल्प शुभम हर्षल, सोमेश,एवं अंकित (टिंकू)के बड़े पापा. एवं ऋषभ,चैतन्य (बाबू),अंशुल (बबन), माधव, चैतन्य (जलगांव) के पूजनीय दादाजी श्री सुभाषचंद्रजी मंडोवरा (डीकेवाय) का स्वर्गवास दिनांक 16 अगस्त 2024 शुक्रवार को हो गया है। उठावना दिनांक 18/8/24 रविवार को दोपहर 2 बजे संजय गांधी उद्यान नई आबादी पर होगा। बैठक का समय निवास स्थान पर शाम 7 से 8 रहेगा।

✲✲✲✲✲ शोकाकुल ✲✲✲✲✲

मण्डोवरा परिवार ✲ डीकेवाय, मन्दसौर ✲ सांवरिया पब्लिक यातायात नीमच ✲ बालाजी ट्रेडिंग कंपनी नीमच

घरेलू गेस कनेक्शनों में सिलेंडर व चूल्हे को जांचने की कार्यशैली गौण...

घरेलू सिलेंडर-चूल्हे को परखने में कोताही!

26 जनवरी को शहर की राजीव कॉलोनी में हो चुका है हादसा, इसके बाद भी लापरवाही जारी

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। घरेलू गेस कनेक्शनों में दो वर्ष में एक बार गेस कनेक्शनधारी के सिलेंडर, नली व बर्नर एवं चूल्हे आदि की जांच की जाती है। यह कार्य संबंधित गेस एजेंसीधारक का रहता है। लेकिन, लम्बा समय बीत गया है। घर में सिलेंडर व चूल्हे की जांच करने कोई नहीं आया है। यह और बात है कि शिकायत पर जांच करने की हिमाकत की जाती है। जबकि यह सुरक्षा के लिहाज से अहम् मुद्दा है, इसमें कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। बता दें कि हाल ही में मंदसौर शहर की राजीव कॉलोनी में ही एक घर में सुबह के समय चाय बनाते समय हादसा हो चुका है। इस हादसे वाले परिवार में मृत्यु तक हुई है। इस परिवार से समझा जा सकता है कि गेस कनेक्शनों की जांच कितनी जरूरी है।

शहर सहित जिलेभर में 7 लाख से अधिक गेस कनेक्शन होने का अनुमान हैं। बताते हैं कि कनेक्शन देने के बाद गेस एजेंसियों को दो साल में एक बार घरेलू गेस कनेक्शन की जांच किया जाना आवश्यक है। बावजूद इसके वर्षों बीत गए हैं, लेकिन एक घर में भी गेस एजेंसियों के कर्ताधर्ताओं ने जांच नहीं करवाई है। बता दें कि घर में सिलेंडर व चूल्हे की सुरक्षा को देखना एजेंसी का कार्य है। जिससे एजेंसी संचालक पीछे हट रहे हैं। घरेलू गेस सिलेंडरों व चूल्हे की जांच के लिए मेकेनिक रखना अनिवार्य है, लेकिन मेकेनिकों को नहीं रखते हुए एजेंसी संचालक मुनाफा कमा रहे हैं। उधर, असुरक्षा के चलते कई बार सिलेंडर व चूल्हे में आग लगने की घटनाएं भी हो चुकी है। बावजूद इसके एजेंसी संचालकों ने जांच के नाम पर केवल दिखावा ही किया है। यदि कोई जागरुक उपभोक्ता शिकायत करें, तब ही उसके घर में आकर जांच की जाती है। लेकिन, वर्षों बीतने के बाद आज तक जांच का अभियान तक नहीं चलाया गया है।

लाईसेंस देते समय बताए जाते हैं नियम- जिले में गेस एजेंसियों की भरमार हो गई है। गेस एजेंसी भी पेट्रोल पम्प की तरह खुलने लगी है। गेस एजेंसीधारक को लाईसेंस देते समय नियम बताए जाते हैं कि दो साल में एक बार उपभोक्ता के कनेक्शन जो जांचना आवश्यक है। लेकिन, सभी गेस एजेंसियां इस शर्त का उल्लंघन कर रही है। आज तक किसी भी उपभोक्ता के यहां जाकर चेकिंग नहीं की गई। बता दें कि एजेंसी संचालकों द्वारा एक मेकेनिक ही रखा जाता है, जो शिकायत पर ही चूल्हे व सिलेंडर जांचने जाता है। जबकि दो साल में एक बार जांच की जाना जरूरी माना गया है।

सिलेंडर में आग लगने की हो चुकी है घटनाएं- गेस सिलेंडरों को व चूल्हे को रखने के लिए नियम मापदंड है। जिसका पालन कराना एजेंसी संचालक को जरुरी है। लेकिन, जांच के नाम पर केवल कागजी कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि पिछले कुछ वर्षों में ध्यान दें तो कई घरों में रखे सिलेंडरों में आग लगने की घटनाएं हो चुकी है। इससे कई लोग जल तक चुके हैं। इसके बाद भी किसी को यह नहीं मालूम है कि गेस एजेंसी का दायित्व है कि वे मापदंड के अनुसार गेस कनेक्शन की जांच करें। बावजूद इसके अप्रिय घटनाएं होने के बाद भी जांच के लिए कदम तक नहीं उठाया गया है।

खाद्य विभाग को खबर, फिर भी अनदेखी- बता दें कि घरेलू गेस कनेक्शनों को जांचने के लिए जो नियम है, उसकी जानकारी खाद्य विभाग को है। इसके बाद भी अनदेखी की जा रही है। खास बात तो यह है कि कई वर्षों से एजेंसी संचालकों की बैठक तक नहीं ली गई है।

गणतंत्र दिवस की सुबह सिलेंडर में हुआ था ब्लास्ट, महिला की मृत्यु

इसी वर्ष 26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस की सुबह मंदसौर शहर अनहोनि का दंश झेल चुका है। 26 जनवरी की सुबह शहर के स्नेह नगर के समीप यानी पटरी पार राजीव कॉलोनी में महिला पुष्पा बाई पोरवाल चाय बनाने के तैयार हुई। घर में गैस सिलेंडर के बर्नर को उसने ऑन किया ही था कि सिलेंडर में ब्लास्ट हुआ। घर के परखच्चे उड़ गए। हादसे में महिला की मृत्यु हो गई, वहीं उसका पति गंभीर घायल हो गया था। इस घटना के बाद नेता भी सक्रिय हुए। पूर्व विधायक व वर्तमान विधायक भी हादसे के शिकार हुए परिजनों के पास पहुंचे। ढांढस बंधाया। यहां राजनीति भी सक्रिय दिखाई दी। समय के साथ इस मसले को भूला दिया गया। जबकि सुरक्षा के लिहाज से सिलेंडर व चूल्हों की जांच जरूरी मानी गई है।

मामला लदूना सोसायटी पर झंडावंदन विवादास्पद स्थिति का...

अटैचमेंट के बाद हुआ निलंबन, कुछ ही घंटों में आदेश जारी

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जिला मुख्यालय पर अटैचमेंट और उसके कुछ ही घंटों बाद जारी निलंबन के आदेश जारी कर सोसायटी प्रबंधक पर कार्रवाई की गई। मामला लदूना प्राथमिक कृषि साख सह संस्था मर्यादित का है। स्वतंत्रता दिवस पर झंडा वंदन के दौरान विवाद की स्थिति बनी। प्रबंधक रिजवाना मंसूरी को जिला मुख्यालय अटैच कर दिया गया। इसके बाद मामले में पूर्व विधायक और प्रदेश भाजपा प्रवक्ता यशपालसिंह ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर निलंबन की मांग की। अटैचमेंट के कुछ ही घंटे बाद जांच पूरी होने का हवाला देते हुए उन्हें निलंबित कर दिया।

बता दें कि सोशल मीडिया एवं डिजीटल प्लेटफार्म पर वायरल समाचार अनुसार बहु.प्राथ. कृषि साख सह संस्था मर्या. लदूना शाखा सीतामऊ की समिति प्रबंधक श्रीमती रिजवाना मंसूरी द्वारा 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर संस्था लदूना में झंडा वंदन करने से इंकार करने एवं ग्रामीणों के विरोध एवं वरिष्ठजनों द्वारा समझाईश उपरांत झंडा वंदन करने संबंधित खबर वायरल हुई। इसके बाद प्रबंधक को मुख्यालय पर अटैच कर दिया गया। वहीं किसी अन्य को लदूना सोसायटी का प्रभार दिया गया था।

दूसरे आदेश के अनुसार जांच में मिली दोषी- कुछ ही घंटों बाद जिला सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने आदेश जारी किया। जिसमें कहा गया कि प्रकरण में मांगीलाल कमलवा लेखापाल प्र.का. मंदसौर को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया था। जांच अधिकारी द्वारा 16 अगस्त को सहयोगी सुनील कच्छारा स्थापना अधिकारी के साथ संस्था लदूना मुख्यालय पर जाकर प्रकरण में जाँच की गई। इस दौरान ग्रामीणजन एवं संस्था कर्मचारियों के कथन लिये गये। प्रस्तुत कथनानुसार श्रीमती रिजवाना मंसूरी द्वारा संस्था में झंडा वंदन तो किया गया किन्तु झंडा वंदन पश्चात ग्रामीण महिलाओं द्वारा श्रीमती मंसूरी के गुलाल लगाने हेतु कहे जाने पर श्रीमती मंसूरी द्वारा गुलाल लगवाने से इंकार किया गया। श्रीमती मंसूरी व इनके साथ आए इनके पति द्वारा भी ग्रामवासियों के साथ अभद्रतापूर्ण व्यवहार किया गया। इस प्रकार 15 अगस्त राष्ट्रीय पर्व पर श्रीमती रिजवाना मंसूरी समिति प्रबंधक द्वारा अपने पति के साथ संस्था कार्यालय में जाकर संस्था में झंडा वंदन के बाद कार्यक्रम में आये आगंतुको के साथ अभद्रतापूर्ण व्यवहार करने संबंधी कृत्य किये जाने से आदेश जारी दिनांक से निलम्बित किया जाता है। निलम्बन काल में मुख्यालय बैंक प्रधान कार्यालय मंदसौर नियत किया गया। बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ने को कहा है। नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त करने की पात्रता होगी।

पूर्व विधायक ने यह कहा- जिला मुख्यालय अटैचमेंट के आदेश जारी होने के बाद पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया ने रिजवाना मंसूरी द्वारा ध्वजारोहरण नहीं करने का मामला गंभीर है। इस मामले में ग्रामवासियों ने भी विरोध दर्ज कराया और प्रभारी मंत्री को भी ज्ञापन दिया। मामले में जिला मुख्यालय अटैच करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि निलंबन की कार्रवाई और एफआईआर दर्ज कराना चाहिए। प्रबंधक के पति पर भी कार्रवाई होनाचाहिए।

ट्रक चालक ने दो चार पहिया वाहनों को मारी टक्कर...

दुर्घटना में पुलिस वाहन के ड्राईवर सहित तीन की मृत्यु

सड़क किनारे खड़ा था वाहन, दो पुलिसकर्मी सहित सात जनें घायल

नीमच, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। एक मिनी ट्रक ने सड़क किनारे खड़े पुलिस वाहन और पिकअप को टक्कर मार दी। हादसे में पुलिस वाहन के ड्राइवर और पिकअप सवार दो लोगों की मृत्यु हो गई। वहीं दो पुलिसकर्मी समेत पांच लोग गंभीर घायल हैं। सभी का इलाज नीमच जिला अस्पताल में प्राथमिक तौर पर किया गया। हादसा सागरण घाटी के पास महू-नसीराबाद हाईवे पर हुआ।

जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह करीब 4:30 बजे पिकअप को सड़क किनारे खड़ा देखकर पुलिस की पेट्रोलिंग टीम रुकी। पुलिस पिकअप सवारों से पूछताछ कर रही थी, इसी दौरान पीछे से आ रहे मिनी ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक चालक फरार है। कलेक्टर हिमांशु चंद्र, पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल और एएसपी नवलसिंह सिसौदिया घायलों से मिलने अस्पताल पहुंचे।

पुलिसकर्मी गाड़ी से उतरकर कर रहे थे पूछताछ- एएसपी नवलसिंह सिसौदिया ने बताया, पिकअप सवार 6 व्यापारी इंदौर से अजमेर में लगने वाले पशु हाट के लिए जा रहे थे। पिकअप चालक रतलाम से आया था। रास्ते में कुछ देर के लिए रुके। इन्हें देखकर पेट्रोलिंग टीम ने पूछताछ की। पुलिसकर्मी गाड़ी के बाहर खड़े थे और पुलिस वाहन का ड्राइवर गाड़ी में था। वहीं, पिकअप से भी कुछ लोग बाहर थे।

सभी घायल व्यापारी इंदौर रेफर- हादसे में पुलिस वाहन में बैठे ड्राइवर सांवरा भील की मृत्यु हुई है। पिकअप चालक जुबेर और व्यापारी अमजद की मृत्यु हुई है। इसरार, शरीफ, फैजान, जुनेद और समीर को नीमच जिला अस्पताल से इंदौर रेफर किया है। पुलिसकर्मी मन्नू जाट को उदयपुर रैफर किया है। पुलिसकर्मी राजेश धाकड़ का नीमच के निजी अस्पताल में इलाज जारी है।

ड्राइवर के शव पर पुलिसकर्मियों ने पुष्पांजलि अर्पित की- पुलिस वाहन के ड्राइवर के शव के पोस्टमॉर्टम के बाद घर रवाना कर दिया गया है। इस दौरान एएसपी नवल सिंह सिसौदिया, सीएसपी अभिषेक रंजन सहित थाना प्रभारी और अन्य पुलिसकर्मियों ने मृतक सांवरा भील के शव पर पुष्पांजलि अर्पित की। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी नीमच अस्पताल में मौजूद रहे। पिकअप सवार दो मृतकों के परिजनों का इंतजार किया गया। उनके आने के बाद शवों का पोस्टमॉर्टम किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा चार-चार लाख की आर्थिक सहायता मंजूर- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शनिवार की सुबह नीमच के समीप सगराना में एक सड़क दुर्घटना में तीन मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। इनमें से एक-एक मृतक रतलाम इंदौर एवं नीमच जिले के निवासी है। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा व्दारा मृतक सांवरा पिता रामरतन भील को सोलेशियम फंड योजना के तहत 50 हजार रूपये की आर्थिक सहायता भी स्वीकृत की गई। इस दुर्घटना में घायल पांच अन्य घायलों को मोटर दुर्घटना अधिनियम के तहत कलेक्टर द्वारा 15-15 हजार रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की। दो अन्य घायल शासकीय सेवकों का नियमानुसार निःशुल्क उपचार करवाया जा रहा है।

रोड से उतारने लगा बस, फिर दौड़ाने लगा गाड़ी, जिस पर यात्रियों को पुख्ता हुई शंका...

रोडवेज बस के ड्राईवर ने नशे में गाड़ी दौड़ाई

संभवतः नीमच में गटका अल्कोहल, जिससे लड़खड़ाया, बस जब्त कर थाने में खड़ी करवाई

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। कोटा से बांसवाड़ा चलने वाली राजस्थान राज्य की रोडवेज बस के ड्राईवर ने शनिवार को हादसे को न्यौता देने जैसा कृत्य किया है। बस को ड्राईवर ने नशे में दौड़ाया। गनीमत रही कि दुर्घटना नहीं हुई। बताते हैं कि मल्हारगढ़ के बाद यात्रियों को यह महसूस होने लगा था कि ड्राईवर बस को गलत तरीके से चला रहा है। कुछ देर बाद पिपलिया तक बस पहुंची थी। यहां भी यात्रियों ने आपत्ति ली। लेकिन, ड्राईवर ने बस को रोड के नीचे उतारने की भी कोशिश की, फिर रोड पर चढ़ाकर बस को दौड़ाया। इससे यात्रियों की शंका पुख्ता हो गई। बस में सवार यात्रियों ने परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने पुलिस महकमे को शिकायत की। हाईवे पर बस को रुकवाकर बस को यशोधर्मन नगर थाने में खड़ा करवा दिया है। ड्राईवर पर भी कार्रवाई की गई है।

यशोधर्मन नगर थाना पुलिस के अनुसार राजस्थान पासिंग रोडवेज बस क्रमांक आरजे 20 पीबी 1519 का चालक अमरसिंह बंजारा पिता रामसिंह बंजारा है, जो कोटा क्षेत्र का निवासी है। बस का ड्राईवर अमरसिंह है और इसमें कंडक्टरी की भूमिका में वीरेन्द्र यादव निवासी अलवर कार्यरत रहा। ड्राईवर अमरसिंह ने शराब के नशे में बस को चलाया व गलत तरीके से बस को दौड़ाया। बस को यशोधर्मन नगर थाना पुलिस ने जब्त कर थाना परिसर में खड़ा कराया है। ड्राईवर अमरसिंह को पुलिस गिरफ्त में लिया गया, जिसका पुलिस ने अल्कोहल टेस्ट किया, इसमें वह नशे में पाया गया। इसे अलावा बड़े अस्पताल ले जाकर मेडिकल कराया गया, इसमें भी ड्राईवर के नशे में होना पाया गया है। इसके बाद थाना पुलिस ने ड्राईवर को हिरासत में लेकर उस पर बीएनएस की धारा 185 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। बता दें कि बस में सवार यात्रियों ने इसकी सूचना परिजनों के माध्यम से पुलिस तक पहुंचाई थी। पुलिस के हत्थे चढ़ते ही ड्राईवर का नशा घंटे बाद मानसिक तौर पर उतरने की भी जानकारी मिली है। बताते हैं कि नीमच में स्टॉपेज के दौरान ड्राईवर ने शराब गटकी थी। मल्हारगढ़ आते-आते उसे नशे का उतार-चढ़ाव हुआ, जिससे यात्रियों को शंका हुई। उधर, बस में सवार यात्रियों ने अतिरिक्त वाहन सेवा लेकर गंतव्य तक पहुंचने की मशक्कत की है। मामले में किसी यात्री ने लिखित शिकायत नहीं की है। लेकिन, पुलिस ने धारा 185 के तहत कार्रवाई की है।

राखियों से सजा बाजार, दिखने लगी ग्राहकी

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सावन महीने में इस बार पांच सोमवार आ रहे हैं। ऐसे में आखिरी सोमवार को राखी का त्यौहार भी है। इसके चलते शनिवार को शहर के बाजारों में राखियां सज गई है। अनेक जगहों पर राखियों की अस्थाई दुकानें भी लग गई है। सभी दुकानों पर ग्राहकी दिखाई देने लगी है।

शनिवार को बड़ी संख्या में बहनों ने अपने भाईयों की पसंद अनुसार राखियों का चयन किया। आज रविवार को भी बाजार खुला रहेगा। इसके चलते आज रविवार को राखियों का उठाव रहेगा। रविवार को ग्राहकी अच्छी होने की उम्मीद व्यापारी लगा रहे हैं। राखी के दाम वैसे ज्यादा हो गए हैं, लेकिन बहनें दाम की परवाह नहीं कर रही हैं। भाई-बहन के प्यार के बंधन का त्यौहार पर उत्साह बरकरार रहे, इसके चलते सभी दामों की राखियां बाजार में उपलब्ध है। शहर के सम्राट मार्केट में भी अनेक जगह राखियां सज गई है, जहां शनिवार को ग्राहकी होती रही।

मानसून: 19 अगस्त बाद हो सकती है तेज बारिश

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सावन खत्म होने में दो दिन शेष हैं, लेकिन अब तक जिले की औसत बारिश का 66 फीसदी कोटा ही पूरा हुआ है। शुक्रवार को जिले में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हुई। आज सुबह से मौसम साफ बना हुआ है। आज भी जिले के एक दो स्थानों पर बिजली की गरज चमक के साथ हल्की बारिश का अनुमान है। जिले में सीजन में अब तक औसत 21.76 इंच बारिश रिकॉर्ड की है।

मौसम जानकारों के अनुसार प्रदेश में एक बार फिर 19 अगस्त से भारी बारिश का दौर शुरू होगा। बंगाल की खाड़ी में सिस्टम एक्टिव होने से 21-22 अगस्त को भारी बारिश हो सकती है। इसका ज्यादा असर पूर्वी और उत्तरी क्षेत्र में रहेगा। हालांकि, इससे पहले भी प्रदेश में बारिश जारी रहेगी। मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि मध्य भारत के कई हिस्सों में अभी बादल है। वहीं, उत्तरी बंगाल की खाड़ी में साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्ट था जो और भी प्रभावशाली होकर लो प्रेशर एरिया में बदल गया है। एक अन्य साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी एक्टिव है। मानसून ट्रफ मध्य प्रदेश के उत्तरी हिस्से से गुजर रही है। इस वजह से प्रदेश में भारी बारिश का दौर शुरू हो सकता है। लो प्रेशर एरिया का मूवमेंट उत्तर और दक्षिण हिस्से में ज्यादा रहेगा। जिले में आज सुबह तक ओवरऑल 21.76 इंच औसत बारिश दर्ज की गई है। इधर चंबल नदी पर बने गांधी सागर बांध का जलस्तर 1300.11 फीट पहुंच गया है।

पार्षद प्रतिनिधि पर प्रकरण दर्ज

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। भाजपा समर्थित पार्षद प्रतिनिधि के खिलाफ शहर कोतवाली पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि 16 अगस्त को प्रतापगढ़ पुलिया पर चेकिंग के दौरान पार्षद प्रतिनिधि अनूप माहेश्वरी द्वारा पुलिस वालों के साथ गाली गलौज की गई। सरकारी काम में बाधा डाली गई। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। उधर, अनूप ने भी शिकायत कर कहा है कि मेरे खिलाफ गलत प्रकरण दर्ज किया है।

बांग्लादेश में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना के मद्देनजर...

जनआक्रोश दिखा, मौन रैली निकली

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। बांग्लादेश में मानवता को शर्मसार करने वाली लोमहर्षक घटनाओं में वहां के हिंदुओं सहित अन्य अल्पसंख्यकों के साथ क्रूर अत्याचार किया जा रहा है। दुनिया की अब तक की सबसे क्रूर और आततायी घटनाओं से भी ज्यादा अनाचार और पापाचार बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों से किया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र, मानवाधिकार, दक्षिण एशिया के सात देशों का संगठन दक्षेस ये सभी मूक दर्शक बने हुए हैं। इसी को लेकर आज मंदसौर में रैली निकाली गई। शनिवार को शाम चार बजे गांधी चौराहा पर लोग एकत्रित हुए। इसके बाद मौन रैली शुरु हुई। पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचकर प्रशासन को ज्ञापन दिया गया।

28 साल पहले ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर निकले थे पशुपतिनाथजी...

शाही सवारी : दस हजार से डेढ़ लाख तक पहुंचा भक्तों का हुजूम...

हर वर्ष खास होती जा रही है बाबा की सवारी

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सावन के अंतिम सोमवार को भगवान पशुपतिनाथजी शाही रथ में सवार होकर 28वीं बार शाही सवारी के रुप में नगर भ्रमण पर निकलेंगे। साल दर साल सवारी खास होती जा रही है, लेकिन वर्ष 1996 में सावन माह के अंतिम सोमवार को पहली बार बाबा पशुपतिनाथजी की शाही सवारी शहर में निकली थी। तब ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर सीमित संसाधनों के साथ सवारी निकली थी। जो 27 सालों के इस सफर में अब भव्य रुप ले चुकी है। उज्जैन में बाबा महाकाल की निकलने वाली सवारी को देख मंदसौर में इसकी शुरुआत हुई थी जो अब परंपरा बन चुकी है। पहली सवारी के समय दानदाताओं ने चांदी दान की थी। उससे रजत प्रतिमा पशुपतिनाथ की बनवाई थी। वहीं पहली सवारी में जहां मात्र 8 से 10 हजार भक्त थे वहीं अब सवारी में डेढ़ लाख से अधिक भक्तों का हुजूम दिखता है।

ऐसे ही घुमा लो- पहली बार शाही सवारी के समय में मंदसौर में पदस्थ कलेक्टर केसरीसिंह चौहान ने कहा था कि मंदसौर के लोगों ने जो परंपरा शुरु की है इसका भविष्य में व्यापक स्तर क्या होगा कल्पना नहीं की जा सकती और उनके शब्दों के अनुरुप आज सवारी का व्यापक स्तर हो गया है। उस समय तहसीलदार जयंत जोशी व एसडीएम मालसिंह थे। जब सवारी की बात आई तो किसी ने कहा ऐसे ही घुमा लो। पंडित रामनारायण जोशी सहित अन्य ने उस समय अहम भूमिका निभाई और सवारी निकली तो सारें किंतु- परंतु पर विराम लग गया। सवारी में भक्तों का उत्साह और उड़ते-रंग गुलाल ने उस समय के युवाओं की इस पहल को आज परंपरा बना दिया।

चांदी एकत्रित कर बनाई थी प्रतिमा- 1996 में पहली सवारी निकलने के बाद यहां भक्तों का जुड़ाव और बढ़ गया। दरअसल, प्रातः कालीन आरती मंडल मंदिर पर वर्षों से छप्पन भोग से लेकर अन्य आयोजन किए जा रहे है। वर्ष 1996 में जब सावन के अंतिम सोमवार को शाही सवारी निकली तो उमड़े शिवभक्तों की संख्या और उत्साह को देख आयोजक भी दंग रह गए। पहली बार जब सवारी निकली तो 4 किलो चांदी एकत्रित करते हुए रजत प्रतिमा बनवाई गई और ट्रैक्टर पर झांकी सजाते हुए सवारी निकाली गई थी।

आमंत्रण के लिए वाहन रैली- शाही सवारी निकलने के साथ वर्ष 1996 में ही ..... शेष पेज 4 पर

पत्रकार तुषार कोठारी के पिता का निधन

रतलाम, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। रतलाम प्रेस क्लब के पूर्व सचिव, वरिष्ठपत्रकार तुषार कोठारी तथा नारायण कोठारी के पिताजी श्री गोपाल राव कोठारी जी का शनिवार रात निधन हो गया। 88 वर्षीय गोपाल राव कोठारी पिछले कुछ समय से अस्वस्थ्य थे। उनकी अंतिम यात्रा आज 18 अगस्त रविवार को सुबह 11 बजे उनके 148, राजस्व कॉलोनी रतलाम स्थित निवास से निकाली जाएगी। अंतिम संस्कार त्रिवेणी मुक्तिधाम पर किया जाएगा। गोपाल राव कोठारी कृषि विभाग के सेवानिवृत अधिकारी होकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पहली पीढ़ी के स्वयंसेवक थे। उन्होंने राम जन्म भूमि कार सेवा में भी भाग लिया था।

विचार-मंथन

शंभू बॉर्डर खोलने को लेकर सुको सख्त

सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर पंजाब और हरियाणा पुलिस के प्रमुखों से कहा है कि वे किसानों से बात करके शंभू सीमा को एक हफ्ते के भीतर खुलवाएं। राजमार्ग वाहन खड़ी करने की जगह नहीं होते। अदालत ने कहा कि एंबुलेंस, आवश्यक सेवाओं, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, छात्र-छात्राओं और आसपास के स्थानीय लोगों की आवाजाही के लिए शंभू सीमा को आंशिक रूप से खोलना आवश्यक है। दरअसल, फरवरी से ही किसान शंभू सीमा पर अपनी ट्रैक्टर ट्रालियों में बसेरा बना कर डेरा डाले हुए हैं। इससे वहां आवाजाही बाधित है।पिछले आंदोलन के समय किए गए वादे पूरे न होने से नाराज पंजाब के किसानों ने दिल्ली कूच किया था। मगर हरियाणा सरकार ने उन्हें राज्य की सीमा में प्रवेश से रोक दिया था। सड़कों पर दीवारें खड़ी कर कील-कांटे लगा दिए थे। उन्हें वापस लौटने पर मजबूर करने के लिए कई दिन तक ड्रोन से आंसू गैस के गोले बरसाए जाते रहे। पुलिस की गोलीबारी में एक प्रदर्शनकारी युवा किसान की मौत भी हो गई थी। तब किसानों ने शंभू सीमा पर उसी तरह डेरा डाल दिया था, जैसे पिछले आंदोलन के समय दिल्ली की बाहरी सीमाओं पर साल भर से अधिक समय तक किसान बैठे रहे थे। हरियाणा सरकार का रुख अब भी किसानों को छकाने का ही है। कुछ समय पहले पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने हरियाणा सरकार को फटकार लगाते हुए कहा था कि किसानों को अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करने का नागरिक अधिकार है। कोई भी सरकार सड़कें खोद और उन पर कील-कांटे गाड़ कर उनके अधिकारों का हनन नहीं कर सकती। तब हरियाणा सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाई थी, पर वहां से भी उसे वही फटकार सुनने को मिली। सर्वोच्च न्यायालय ने दोनों सरकारों से ऐसे गैर-राजनीतिक लोगों के नाम मांगे थे, जिनकी एक समिति गठित की जा सके, जो किसानों से बातचीत करके समस्या का समाधान करने का प्रयास करे। वह समिति गठित हो गई है। वह किसानों से बातचीत कर क्या सुझाव देती है और उस सुझाव को सरकारें किस हद तक स्वीकार करती हैं, देखने की बात है। मगर फिलहाल शंभू सीमा पर किसानों के वाहन खड़े करने से पैदा अवरोध को दूर करना का मसला है। यह कोई मुश्किल काम नहीं है। किसान यों भी सामान्य नागरिकों के कामकाज में बाधा नहीं डालना चाहते। पुलिस की ज्यादतियों की वजह से यह संकट अधिक बना हुआ है। किसानों से अधिक अवरोध तो खुद पुलिस ने किसानों को रोकने के मकसद से खड़े कर रखे हैं। विवादित तीन कृषि कानूनों को वापस लेते वक्त केंद्र सरकार ने वादा किया था कि वह जल्दी ही न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी देने वाला कानून बना लेगी। मगर करीब तीन साल बीत जाने के बाद भी इस पर कोई कदम आगे नहीं बढ़ाया जा सका है। ऐसे में किसानों की नाराजगी समझी जा सकती है। असल मुद्दा यही है। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर हरियाणा सरकार ने तो घोषणा की है कि वह किसानों का सारा अनाज न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदेगी, मगर किसान भी जानते हैं कि यह केवल चुनावी जुमला है। जब तक न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी का कानून नहीं बनता, किसान शायद ही आंदोलन का रास्ता छोड़ना चाहेंगे। हरियाणा और पंजाब की सीमा पर प्रदर्शन कर रहे किसानों से बातचीत के लिए गठित समिति के लिए भी यह मामला आसान नहीं लगता।

सरहद के उस पार लोकतांत्रिक बयार नहीं बहती

प्रशान्त कुमार मिश्र

एक मुल्क के तौर पर पाकिस्तान को कामयाब नहीं माना जा सकता. तुलनात्मक रूप से बड़ी आबादी वाला पूर्वी पाकिस्तान मध्य एशियाई जीवन पद्धति को अंगीकृत करने वाले पश्चिमी पाकिस्तान के निवासियों के साथ कभी सहज नहीं रहा. पूर्वी पाकिस्तान के मध्य वर्ग में स्वीकार्य आदर्श पुरुष रवींद्रनाथ टैगोर एवं काजी नजरुल इस्लाम थे. इसलिए उर्दू भाषा के प्रति अपनत्व की भावना का संचार इस प्रांत में नहीं हो सका। अल्लामा इकबाल की विशिष्ट पहचान से संबंधित बातें बंगाली मुसलमानों को उत्तेजित तो करतीं थीं, लेकिन उनमें बांग्ला जीवन शैली की निरंतरता के लिए आश्वासन नहीं था.मोहम्मद बिन कासिम ने आठवीं शताब्दी में जिस सिंध को रौंद डाला था, उसके निवासी अपने लिए सिंधु देश का ख्वाब संजोए हुए हैं। पाकिस्तान के लिए परमाणु बम बनाने के लिए बेचैन जुल्फिकार अली भुट्टो एक सिंधी ही थे, उनका दुखद हश्र पूरी दुनिया ने देखा. वह नेता भुट्टो ही थे जिन्होंने शेख मुजीब को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद पर आसीन नहीं होने दिया था और पूरे पश्चिमी पाकिस्तान में हड़ताल कराये जाने की धमकी दी थी. लेकिन बंगबंधु शेख मुजीब की किस्मत में तो एक मुल्क का निर्माता बनना लिखा हुआ था. तब वे धर्मनिरपेक्षता के प्रतीक थे और उनके व्यक्तित्व का यह आयाम सैन्य हुक्मरानों को रास नहीं आ रहा था. पाकिस्तानी सेना ने बांग्लादेश में नृशंस अत्याचार किए थे. लेकिन आज के आंदोलनकारी उन घटनाओं को भूल गए हैं। शेख हसीना लोकतांत्रिक तरीके से प्रधानमंत्री निर्वाचित हुई थी. उनकी पार्टी अवामी लीग प्रगतिशील सोच की हिमायती है. बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी शेख मुजीब को अपना आदर्श नहीं मानती. जमाते इस्लामी की प्रतिबद्धता कभी लोकतंत्र के प्रति नहीं रही है. तख्तापलट के बाद पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को जेल से रिहा कर दिया गया। रिहाई के बाद उन्होंने ढाका में अपनी पार्टी की एक विशाल रैली को संबोधित भी किया. इस दौरान खालिदा जिया ने देश के पुनर्निर्माण के लिए शांति की अपील की. शेख हसीना को जिन परिस्थितियों में अपना मुल्क छोड़ना पड़ा और भारत आने के लिए विवश होना पड़ा, उससे बांग्लादेशी समाज की नैतिकता पर भी सवाल उठ रहे हैं. शेख मुजीब की प्रतिमा को खंडित करके उपद्रवी तत्व पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को खुश कर रहे हैं. बांग्लादेश में हालात इस कदर बिगड़ चुके हैं कि उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ओबैदुल हसन को भी इस्तीफा देना पड़ गया। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मो शहाबुद्दीन ने संसद को भंग करने की घोषणा कर दी है. नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मो यूनुस ने अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली है. उम्मीद की जानी चाहिए कि सही समय पर चुनाव हो जाए. लेकिन यह उत्सुकता कायम रहेगी कि मौजूदा आंदोलन के दौरान नायक बन कर उभरे हुए छात्र नेता नाहिद इस्लाम, आसिफ महमूद एवं अबू बकर मजूमदार की भूमिका आने वाले वक्त में क्या होगी? अंतरिम सरकार बन जाने के बावजूद ढाका में स्थितियां ठीक नहीं हुई है. देश में शेख मुजीबुर रहमान से जुड़ी पहचान पर भी हमले हो रहे है. खबर है कि मुंशीगंज में मदरसे के सैकड़ों छात्रों ने धलेश्वरी टोल प्लाजा पर लगी एक पट्टिका हटा दी, जिस पर राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान एक्सप्रेस वे लिखा हुआ था. पाकिस्तान में क्रिकेटर इमरान खान ने जब निजाम बदलने की कोशिश की तो प्रधानमंत्री पद भी छिन गया और वे जेल में भी डाल दिये गये। सेना अपनी स्थिति को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए नेताओं का इस्तेमाल करना बखूबी जानती है. पाकिस्तान की फौज में पंजाबी समुदाय का दबदबा है जबकि अन्य इलाके के युवा खुद को हाशिए पर देखते है. खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत भी उबल रहा है. पश्तो भाषी मुसलमान पाकिस्तान की तुलना में अफगानिस्तान को वरीयता देते हैं. भारत के स्वतंत्रता संग्राम में प्रमुख भूमिका निभाने वाले अब्दुल गफ्फार खान मुस्लिम लीग के नेता जिन्ना के बनाये हुए मुल्क में कभी चैन से नहीं रह सके।उनकी ख्वाहिश के मुताबिक उन्हें अफगानिस्तान के जलालाबाद में ही दफनाया गया. औपनिवेशिक शासन द्वारा खींची गयी डूरंड रेखा को सरहदी इलाके के लोगों ने कभी स्वीकार नहीं किया. अब अफगानिस्तान में गठित होने वाली सरकारों को जनसहयोग नहीं मिलता है. तालिबानीराज की वापसी के बाद वहां से जिस तरह से लोग भागने लगे, उसने भय का माहौल बना दिया है।अपने निर्माण काल की शुरुआत से ही पाकिस्तान अपनी पहचान को लेकर शंकित रहा है. द्वि-राष्ट्र सिद्धांत को अमलीजामा पहनाने के लिए मुस्लिम बहुल देशी रियासत जम्मू-कश्मीर को हड़पने के लिए पाकिस्तान आज भी बेचैन है. जम्मू-कश्मीर के पाक अधिकृत हिस्से में लोकतांत्रिक बयार नहीं बहती है. यहां के युवाओं को दहशतगर्दी का प्रशिक्षण दिया जा रहा है. मुजफ्फराबाद, हुंजा, गिलगिट व स्कार्दू में नई पीढ़ी आधुनिक जीवन मूल्यों से दूर है। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने बांग्लादेश में हुए बगावत की अतार्किक व्याख्या की है. उन्होंने वहां के घटनाक्रमों की पुनरावृत्ति भारत में होने की आशंका व्यक्त की है. खुर्शीद का वक्तव्य दुर्भावना से प्रेरित है. आजाद भारत में केंद्रीय सत्ता में लगभग सभी प्रमुख दलों को शामिल होने का अवसर मिल चुका है. इस देश में सात सौ पचास से अधिक राजनीतिक दल चुनाव आयोग द्वारा निर्बंधित हैं. संविद सरकारों के गठन में क्षेत्रीय राजनीतिक दल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं. यहां राष्ट्रीय स्तर के राजनीतिक दल अपनी मर्जी से बड़े फैसले नहीं कर पाते हैं। ऐसे में सलमान खुर्शीद का बयान गांधी व नेहरू के रोशन ख्याल नेतृत्व का अपमान है. बांग्लादेश में हिंदु समुदाय के सदस्य खुद पर हो रहे हमलों से आहत है. उन्हें 52 जिलों में कम से कम 205 हिंसक घटनाओं का सामना करना पड़ा है. बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद और बांग्लादेश पूजा उद्‌जापन परिषद ने अंतरिम सरकार के प्रमुख मो यूनुस को एक खुला पत्र लिख कर यह जानकारी दी।

मोबाइल के युग में हाथों की लिखावट का महत्व

सरस्वती रमेश

कुछ अक्षरों को कागज पर उतारने का हमारा जरिया आज क्या है? पिछले दिनों सोशल मीडिया पर कहीं दिखा कि जब सब कुछ मोबाइल या कंप्यूटर के की-बोर्ड पर ही टाइप करना है तो अपना हस्तलेखन सुधारने के लिए मैंने खामख्वाह ही इतनी मेहनत की। कागज के एक पन्ने पर दर्ज और उसकी खिंची तस्वीर से साफ था कि लिखावट सुंदर थी और पंक्तियां उतनी ही सच। यह टिप्पणी करने वाले का दर्द समझा जा सकता है। हम सब यह गौर कर सकते हैं कि पिछली बार कितने दिन, महीने या साल पहले हमने कागज कलम उठा कर कुछ लिखा था। शायद कोई भी तारीख याद न कर पाए। आज हम अपना हर छोटा-बड़ा ज्यादातर काम मोबाइल पर करने लगे हैं। संदेश भेजने से लेकर हिसाब करने, डायरी या पत्र लिखने सब कुछ मोबाइल पर। इस संबंध में एक लेखक का कहना है कि वे जब तक अपने लैपटाप को खोल कर सामने नहीं रख लेते, तब तक उनके दिमाग में विचार ही नहीं पनपते। उनके लिए एक पंक्ति भी लिखना भारी लगता है। अब जब तकनीक की ऐसी लत लग चुकी हो तो भला कागज-कलम की याद कौन करे।एक समय ऐसा था जब बच्चों की जन्मतिथि और याद रखने वाली दूसरी जरूरी बातें कापी में लिख कर रखा जाता था। अव्वल तो सारे सोहर और विवाह गीत मुंहजबानी याद होते थे, फिर भी नई पीढ़ी की लड़कियां उन्हें डायरी, कापी में उतार कर रखती थीं। मोबाइल युग आने से थोड़ा पहले तक कई लोग गीत, कविताएं, गजल बड़े लोगों की कही बातें और सुंदर पंक्तियां अपनी डायरी में उतार कर रखते थे। नया वर्ष आते ही किशोरवय के बच्चे पिता से डायरी की मांग करते थे, ताकि नए वर्ष के नए अनुभवों और बातों को डायरी में उतार कर रख सकें। अचार पापड़ बनाने की विधियां लिख कर रख सकें। फिर खाली समय में जब डायरी के पन्ने उलटे जाते तो लगता कि कितनी अनमोल चीज को निहारा जा रहा है। वर्षों पहले लिखी बातें दोबारा पढ़कर बिल्कुल वही अनुभूति ताजा हो जाती। डायरी में दूसरों की कविताएं लिखते- पढ़ते भी किसी-किसी को लिखने का शौक हो आया। पुराने समय में कोई कुछ लिखे न लिखे, पत्र जरूर लिखता था। सहज सरल भाषा में लिखे पत्र जितने आत्मीय होते थे, उतने ही देशज सभ्यता संस्कृति के वाहक भी। पत्रों के एक- एक शब्द में भावों की पोटली हुआ करती थी। लोग अपने आत्मीयों के पत्र संभाल कर रखते थे। मरने के बाद जब बुजुर्गों के बक्से खंगाले जाते थे, तो उसमें से कई पोस्ट कार्ड, अंतर्देशीय निकलते थे। बड़े-बड़े लोगों के पत्र तो आज भी देश की धरोहर माने जाते हैं। उनका बाकायदा अध्ययन-मनन होता है। कोई बड़ा व्यक्ति किसी आम आदमी को हाथ से पत्र लिखकर भेजे तो वह पत्र उसकी अनमोल संपदा का हिस्सा बन जाती है। वह उसे जीवन भर संभाल कर रखता है। मगर आज सब कुछ टंकित हो गया है। मशीनी शब्दों में जीवित भावनाओं का अभाव-सा रहता है। हम सिर्फ पत्र के नीचे बने हस्ताक्षर को देखकर संतोष कर लेते हैं। कलम से कागज पर पत्र लिखने का चलन शायद ही कहीं बाकी है। पर्यावरण के लिए काम करने वाली एक कार्यकर्ता का कहना है कि हमसे बहुत कुछ छूटता जा रहा है। कागज पर लिखी बातों में एक आकर्षण होता है। प्रेमी के दिए पत्र को प्रेमिका सैकड़ों बार उसी सम्मोहन से पढ़ती थी। ऐसा आकर्षण टाइप किए हुए संदेशों में नहीं होता। बहुत सारी अच्छी चीजों को पुराना चलन कह कर नकार दिया जाता है। मगर अच्छी चीजें जीवित रहनी चाहिए। सच कहा जाए तो लिखना एक कला है। जरूरी नहीं कि हम लेखक-लेखिका हों, तभी लिखें। जब हम किसी बात को कागज पर लिखते हैं तो उस बात को अपनी स्मृति में कहीं गहरे तक अंकित करते हैं। वह सोशल मीडिया के संवाद घेरे में लिखी बात से कहीं ज्यादा स्थायी और प्रभावी होती है। लिखने का असर हमारे दिमाग पर भी पड़ता है। मसलन, लिखते वक्त हमारा दिमाग एकाग्र होता है। जिस तरह हम कागज कलम उठा कर व्यवस्थित तरीके से लिखने बैठते हैं, ठीक उसी तरह हमारा दिमाग भी लिखी जा रही उस बात को अपने अंदर व्यवस्थित कर रहा होता है। एक तरह से यह हमारे दिमाग की कसरत भी हुई। नई तकनीक लोगों को लिखने से महरूम कर रही।

भारी पड़ती सुविधाओं के नाम पर बैंकों की वसूलियां

देश में बैंकिंग नेटवर्क का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, 22 निजी क्षेत्र के बैंक, 44 विदेशी बैंक, 56 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, 1485 अरबन कोआपरेटिव बैंक और हजारों की संख्या में ग्रामीण सहकारी बैंकिंग संस्थाएं हैं। पिछले पांच सालों में एसबीआई को छोड़ शेष 11 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने केवल और केवल मिनिमम बैलेंस के नाम पर 8 हजार 500 रु. करोड़ रु. की कमाई की है। इसका साफ साफ अर्थ है कि गरीब आदमी के खातों से साढ़े आठ हजार करोड़ रुपए तो इन बैंकों में न्यूनतम बैलेंस ना रख पाने के कारण गवाने पड़े है। यह तो तब है जब देश के सबसे बड़े बैंक ने 2019-20 में न्यूनतम बैलेंस की पैनेल्टी के रुप में 640 करोड़ जुर्माना के रुप में वसूलने के बाद न्यूनतम बैलेंस पर पैनेल्टी लगाने का आदेश वापिस ले लिया। 12 में से 11 बैंकों की साढ़े 8 हजार करोड़ की पांच साल में पैनेल्टी वसूली रही है तो कल्पना की जा सकती है कि निजी क्षेत्र के बैंकों ने इस तरह के जुर्माने से कितना खजाना भरा होगा। साढ़े 8 हजार करोड़ रु. की जुर्माना राशि का आंकड़ा किसी भी तरह से कपोल कल्पित या अतिशयोक्ति पूर्ण नहीं हैं क्योंकि यह जानकारी अधिकृत रुप से संसद में केन्द्रीय वित राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा दी गई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में बैंकों में मार्च, 23 में 294 करोड़ से अधिक खाते हैं। अब यह स्पष्टीकरण देने का कोई मतलब नहीं कि यह पैसा गरीब खातेदारों के अकाउंट्स से ही गया है क्योंकि पैसे वाले खाताधारकों के खातों में तो न्यूनतम बैलेंस रहता ही है। देश में बैंकिंग नेटवर्क का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, 22 निजी क्षेत्र के बैंक, 44 विदेशी बैंक, 56 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, 1485 अरबन कोआपरेटिव बैंक और हजारों की संख्या में ग्रामीण सहकारी बैंकिंग संस्थाएं हैं। यह तो सभी संस्थागत बैंकिंग संस्थाएं है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बैंकिंग सेवाओं का विस्तार हुआ है। 24 गुणा 7 सेवाएं मिलने लगी है। जन धन खातों की परिकल्पना से गरीब से गरीब आदमी का बैंकों से जुड़ाव हुआ है। और अब डिजिटल लेन-देन की सुविधा ने तो सब कुछ ही बदल कर रख दिया है। आज पांच रुपए का धनिया तक पेटीएम या इसी तरह के किसी प्लेटफार्म से आसानी से भुगतान कर खरीदा जा सकता है। दिन प्रतिदिन डिजिटल पेमेंट का चलन आम होता जा रहा है। चंद मिनटों में कहीं से भी किसी को भी मोबाइल या ऑनलाइन बैंकिंग सुविधा से चंद सैकंड में भुगतान पहुंचने लगा है। यह सब बैंकिंग सेवाओं में सुधार और विस्तार का उदाहरण है तो दूसरी और नकदी लेन-देन का स्थान डिजिटल पेमेंट ने ले लिया है। बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार निश्चित रुप से शुभ संकेत माना जाना चाहिए। यह भी साफ है कि लोगों में निश्चित रुप से अवेयरनेस आई है। यह दूसरी बात है कि साइबर ठगी के मामलें भी बहुत अधिक होने लगे हैं। पर सबसे अधिक चिंतनीय बैंकों द्वारा अपनी आय बढ़ाने के लिए सुविधाओं के नाम पर चार्जेज लगालगाकर अपनी आय बढ़ाना है। आम आदमी को किसी तरह की गलत फहमी में नहीं रहना चाहिए कि बैंक उन्हें यह सेवाएं फ्री में दे रहे हैं। आज हालात यह है कि एटीएम पोस मशीन से बड़ा बड़ा कारोबारी भुगतान लेने को तैयार नहीं होता। उसका साफ कहना होता है कि इसमें हमारे चार्जेज लग जाते हैं इसलिए डिजिटल प्लेटफार्म से ही भुगतान प्राप्त करना उचित समझते हैं। खैर चिंतनीय बात यह है कि बैंकों द्वारा सुविधाओं के नाम पर वसूली राशि बहुत अधिक होने के साथ ही आम खाताधारक के लिए भारी पड़ने लगी है। आज हो यह रहा है कि बैंक की छोटी से छोटी सेवा के लिए भी भुगतान करना पड़ता है। भुगतान के आसान तरीके आरटीजीएस और एनईएफटी की सेवाएं चार्जेबल है।

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5329

					6			7
	6						9	8
1			4		2		3	
	4	9		6	7		5	
	1						6	
	3		8	9		4	7	
	2		5		1			4
5	8						2	
6			3					

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5328

5	1	7	3	6	9	8	2	4
8	4	9	7	1	2	6	5	3
6	2	3	8	5	4	7	1	9
4	9	8	5	2	3	1	6	7
3	6	5	1	4	7	2	9	8
1	7	2	9	8	6	4	3	5
7	8	1	6	3	5	9	4	2
2	5	6	4	9	8	3	7	1
9	3	4	2	7	1	5	8	6

वर्ग पहेली 5329

संकेत: बाएं से दाएं

1. [illegible] (8)
7. दौलत, [illegible], स्वर्ण, सोना (2)
8. मित्र, दोस्त, उत्पत्ति (2)
9. एक बार भोजन लेने का समय (2)
10. पकाकर गाढ़ा किया हुआ गन्ने का रस (2)
11. आकाश, गगन, अंबर (2)
12. गुण-दोष को निश्चय करने के लिए वस्तु की परीक्षा, परीक्षण (3)
14. उत्तरप्रदेश का यमुना नदी किनारे बसा एक नगर जो प्रदेश का तीसरा बड़ा शहर है (3)
15. एक प्राचीन सिक्का जो दो पैसे के बराबर होता था (2)
16. वर्ष, अवस्था, जीवनकाल (2)
17. ईश्वर, स्वामी, प्रभु (2)
19. जमीन नापने की प्राचीन इकाई जो बीस बिस्वे के बराबर होती है (2)
22. सहायता करने वाला, मददगार (5)
26. आपत्ति, हानि आदि से बचाव (2)
27. आवाज, शब्द (2)

ऊपर से नीचे

1. चमत्कार दिखाने का कार्य (5)
2. बहादुर, हिंदी व्याकरण में एक रस जिसका स्थायी भाव उत्साह है (2)
3. जो जल्दी न मिल सके, अप्राप्य (3)
4. दीवारों में ईंट की जुड़ाई की पंक्ति, [illegible] (2)
5. सौभाग्यवती स्त्री के आंचल को नारियल आदि से भरना (5)
6. [illegible] (2)
10. जले हुए पदार्थ का अंश, भस्म (2)
11. अवसर, दम, शक्ति (2)
13. [illegible] (3)
14. आयु संबंधी शास्त्र जो अठारह विद्याओं में से एक है (4)
18. भ्रम, शंका (2)
20. सूर्य का प्रकाश, धूप (2)
21. [illegible] (2)
23. किसी, अवस्था, हालत (2)
24. गीत प्रस्तुत करने की क्रिया (2)
25. दांत, [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5328 का हल

र	पि	श	क	र	शु	वल	■
बा	■	क	मी	ज	■	ब	दी
ह	हा	र	■	क	ली	■	ना
■	ल	द	ना	■	ला	ल	■
ना	■	था	द	■	जी	ह	त
ट	ह	ल	ना	■	ढ	क	■
क	■	श	■	चा	■	ना	व
■	ब	र्ह	■	ह	ज	■	का

आर्य समाज मंदिर में आयुर्वेद व एक्यूप्रेशर प्राकृतिक चिकित्सा शिविर आज

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर में आज 18 अगस्त, रविवार को प्रात: 9 से सायं 5 बजे तक आर्य समाज मंदिर तरण ताल के सामने दूसरी मंजिल मंदसौर आयुर्वेद व एक्यूप्रेशर प्राकृतिक चिकित्सा शिविर आयोजित किया जा रहा है। जिसमें वैद्य ओमप्रकाश देवासी एवं थैरेपिस्ट अर्जुन कटारिया एम.डी. (एक्यू.) द्वारा अपनी सेवाएं दी जाएगी। आर्य समाज में यह शिविर हर माह की 18 तारीख को लगाया जाएगा। इस शिविर में जर्मन टेक्नोलॉजी बॉडी एनालाइजर मशीन द्वारा पूरे शरीर की जांच करके बीमारियों का पता लगाकर देशी दवाइयों व एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति से कब्ज, गैस, खांसी, पित, सफेद पानी, खून की कमी, अस्थमा,बीपी, शुगर, नसों में ब्लॉकेज,माइग्रेन, थायराईड, शुक्राणु की कमी, पीलिया, कोलेस्ट्रोल, हृदय रोग, स्वपन दोष, हाइट न बढना, चर्म रोग, वजन का घटना व बढाना आदि सभी बीमारियों का सफल इलाज किया जाएगा। शिविर में निसंतान दंपति भी सम्पर्क कर सकते है। मंदसौर एवं आसपास के क्षेत्रवासियों से आज 18 अगस्त को आयोजित इस आयुर्वेद एवं एक्यूप्रेशर प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की गई है। शिविर के संबंध में अधिक जानकारी एवं रजिस्ट्रेशन केलियेमो.नं. 8003708162 पर सम्पर्क कर सकते है।

अभा साहित्य परिषद ने अटलजी की रचनाओं से किया पुण्य स्मरण

राजनेता एवं जननेता से उपर राष्ट्रनेता की छवि थी अटल बिहारी वाजपेयी की-जोशी

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। अ.भा. साहित्य परिषद मंदसौर ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि भाजपा मण्डल अध्यक्ष श्री अरविन्द सारस्वत के मुख्य आतिथ्य, वरिष्ठपत्रकारद्वय डॉ. घनश्याम बटवाल एवं ब्रजेश जोशी के विशेष आतिथ्य तथा नरेन्द्रसिंह राणावत, शार्ट फिल्म निदेशक मनी चौहान शामगढ, नन्दकिशोर राठौर, नरेन्द्र त्रिवेदी, डी.जे.सिंह, पुष्पेन्द्र चौहान, सुनील मेहता, हिमांशु वर्मा, चेतन व्यास, राजकुमार अग्रवाल, युवराजसिंह, जीवन, ईश्वर कुमावत, सोनू गुप्ता के सानिध्य में मनाई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री सारस्वत ने अटलजी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए कहा कि 1951 से जीवन पर्यन्त पार्टी में सक्रिय एवं मार्गदर्शन की भूमिका निभाने वाले अटलजी का समय एक अटल युग के समान आज भी स्मरण किया जाता है। श्री बटवाल ने कहा कि भारत रत्न अटलजी का स्मरण देश में सडक, परमाणु परीक्षण, नदियों को जोडने की योजनाएं एवं सद्भावना से सरकार चलाने तथा एक वोट से सरकार नहीं रहने पर संसर में दिया गया आपका भाषण आज भी स्मरण किया जाता है। श्री जोशी ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में अग्रणी पुरूष श्री अटल बिहारी वाजपेयी की छवि राजनेता व जननेता से उपर राष्ट्रनेता की थी। नरेन्द्र त्रिवेदी ने अटलजी की कविता बाधाएं आती है आए, घिरे प्रलय की घोर घटाएं.... कदम से कदम मिलाकर चलना होगा , सुनील मेहता ने अटलजी की कविता गीत नया गाता हूं , डी.जे.सिंह ने मेरे पास है ही क्या दो लफ्जों की माला , युवराजसिंह ने सुन वीरों की पाती को फन्दा भी थर्राया था , कवि जीवन ने प्रेम ताप से पत्थर भी पिघल जाते , नन्दकिशोर राठौर ने कभी कभी मैं रातों में जागता हूं , नरेन्द्र भावसार ने जमाने के सताये हुए लोगो , मनी चौहान ने जीवन है संग्राम, मैं क्या रावण क्यों रोये है राम , नरेन्द्रसिंह राणावत ने जब तक रहे सूरज चंदा, लहराये तिरंगा , हिमांशु वर्मा ने ये भारत है, मेरा भारत है, सबसे अलग सबसे जुदा , सुरेन्द्र शर्मा पहलवान ने माना कि दल दल है कीचड़ है, समझ नहीं आए कविताओं को सुनाया। राजकुमार अग्रवाल ने गीत आरंभ है प्रचण्ड गाया। अंत में बंगाल की महिला चिकित्सक की मृत्यु पर दो मिनिट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। संचालन नरेन्द्र भावसार ने किया व आभार नन्दकिशोर राठौर ने माना।

मास्टर प्लॉन 2035 के विरोध में कुमावत समाज ने दिया धरना

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। कल शनिवार को कुमावत समाज नरसिंहपुरा के द्वारा गांधी चौराहा पर लगभग 4 घण्टे तक धरना दिया गया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने कुमावत समाज नरसिंहपुरा के सैकडों लोगों ने धरना प्रदर्शन किया और म.प्र. शासन से मांग की है कि प्रस्तावित 2035 के मास्टर प्लॉन में नरसिंहपुरा एवं उसके आसपास क्षेत्रों के किसानों की जो भूमि ग्रीन बेल्ट में रखी गई है उसे आवासीय में रखा जाये क्योंकि पूर्व में जो मास्टर प्लॉन आया था उसमें इस क्षेत्र की भूमि को आवासीय में रखा गया था लेकिन अब ऋषियानन्द नगर 500 क्वार्टर से लेकर बादरपुरा क्षेत्र तक कुमावत समाज एवं अन्य समाजों के लोगों की जो भूमि है उसे ग्रीन बेल्ट में रखा गया है। कुमावत समाज ने 2035 के मास्टर प्लान में कस्बा मंदसौर के सर्वे क्रमांक 1304, 1303, 1307, 1344, 311, 1338, 1335, 1364, 1378, 1396, 1315, 1317, 1381, 1382, 1392, 1388, 1605, 1601, 1595, 1513, 1511, 1520, 1642, 1621, 1657, 1678, 1683, 1647, 2653, 2617 की भूमि को जो पूर्व में आवासीय दशाई गई थी उसे पुन: आवासीय में रखा जाये। उक्त भूमियां मंदसौर नगर के मध्य में स्थित है तथा इन भूमियों के समीप ही महादेव नगर कॉलोनी को वैध कॉलोनी की मान्यता शासन से प्रदान की हुई है। उक्त सभी भूमियां आवासीय विकास के योग्य है तथा उक्त भूमि को ग्रीन बेल्ट में रखने से नगर का विकास भी अवरुद्ध हो सकता है।

इसी मांग को लेकर दिये गये 4 घण्टे के धरना प्रदर्शनको मंदसौर विधायक विपिन जैन, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया, पूर्व नपा उपाध्यक्ष सुनील जैन महाबली ने भी धरना स्थल पर पहुंचकर समर्थन किया। इस धरना प्रदर्शन में कुमावत समाज अध्यक्ष राधेश्याम बरानिया, उपाध्यक्ष राजेन्द्र घोडेला, सचिव मोहनलाल माचीवार, कोषाध्यक्ष कारूलाल भमोलिया, पार्षद गोरर्धन कुमावत, पूर्व पार्षद भेरूलाल अन्यावडा, रमेश घोडेला, समाजसेवी मांगीलाल कुमावत, लोकेन्द्र कुमावत, कोमल कुमावत, लक्ष्मीनारायण टांक, रामनारायण जाजपुरा, नंदराम जाजपुरा, चांदमल टांक आदि भी शामिल हुए। धरना प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम ज्ञापन भी सौंपा गया। ज्ञापन में मास्टर प्लान 2035 में आवश्यक संशोधन करने की मांग की गई। कुमावत समाज ने अवगत कराया कि यदि समाज की मांग नहीं मानी जायेगी तो कुमावत समाज चरणबद्ध आंदोलन के लिये विवश होगा। जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

देहदान भारतीय हिन्दू सांस्कृतिक का अंग है-पाण्डेय

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। हिन्दू संस्कृति (श्रीमद् भागवत गीता) के अनुसार आत्मा अजर अमर है और शरीर नश्वर। ऐसी दशा में देहदान में उचित या अनुचित देखना बेमानी हैं। नश्वर चीज़ों से कैसा मोह और वह भी तब जब आत्मा घर छोड चुकी हो।

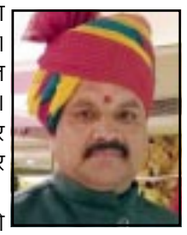

जब भगवान इन्द्र को आवश्यकता थी वृत्रासुर राक्षस के संहार के लिए जो मानवता के लिए बहुत बडा खतरा था का वध करने के लिये सबसे सुदृढ हस्तियों की आवश्यकता थी तो महर्षि दधीचि जी ने अपने शरीर का दान दिया, उनके हस्तियों से ही तो इन्द्रदेव कअस्त्र वज्र कानिर्माणहुआहैराक्षस का संहार किया। महान प्रतापी राजा शिबि जिन्होंने एक कबूतर को बचने के लिए अपने मांस शरीर का दान कर दिया था ऐसी महान संस्कृति है हिन्दू संस्कृति किसी के भले के लिये अपने शरीर का दान पुर्णतया सनातन धर्म के अनुकूल है. हिन्दू शास्त्रों की सीख है कि मानवसेवा ही महादेवस्य सेवा..., मानव की सेवा ही देवों के देव भगवान महादेव की सेवा है. ।मंदसौर मंडोवरा का बहुत बहुत साधुवाद सक्षम मालवा प्रांत मंदसौर मेडिकल कॉलेज के इतिहास में पहला देहदान परम श्रद्धेय सुभाष जी मंडोवरा (लाडसाहब) डीकेवाय, मंडोवरा परिवार समाज के लिए बहुत बडी प्रेरणा बना है जिसने यह महत्वपूर्ण कार्य संपन्न किया। स्व. श्री बद्रीलाल मंडोवरा के सुपुत्र एव स्व. गोपालकृष्ण, स्व. निर्मलकुमार व सत्यनारायण (नीमच) एवं किशोर (गोविन्द) मंडोवरा (जलगांव) के बडे भाई श्री सुभाषचंद्र जी मंडोवरा डीकेवाय की अन्तिम इच्छानुसार परिवार ने देहदान की घोषणा के अनुसार उनका देहदान कर परिवारजनों ने उत्कृष्टकार्य किया है। लायंस क्लब मंदसौर योग संस्था आदि की महत्वपूर्ण भूमिका के लिए बहुत बहुत साधुवाद।

देहली पब्लिक स्कूल में पतंजलि योग गुरू टांक ने विद्यार्थियों को योग कराया

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। नशामुक्ति विशेष अभियान के तहत आरोग्य भारती जिला इकाई मंदसौर द्वारा बायपास स्थित देहली पब्लिक स्कूल में पतंजलि योग संगठन जिला प्रभारी योग गुरू बंशीलाल टांक ने विद्यार्थियों की स्मरण शक्ति बढाने, आंखों पर कभी भी चश्मा नहीं लगने और लग जाये तो उतर जाये, सर्दी जुकाम खांसी, अस्थमा-दमा-थायराइड आदि नाक-गले के रोग, गैस-एसीडिटी-कब्जियीयत-मन्दाग्नी जैसी लीवर (पेट) की कई बीमारियों से बचे रहने संबंधी प्राणायाम के साथ ही शरीर स्वस्थ बलवान पुष्ट बना रहे कठिन परिश्रम पुरूषार्थ करने में थके नहीं इसके लिये

योगिक-जोगिक, सूर्य नमस्कार, विभिन्न बैठक-दण्ड बैठक आदि कसरत का प्रशिक्षण दिया। सभी विद्यार्थियों ने बडे उत्साह से प्रसन्नता के साथ योग किया।

योगाभ्यास से पूर्व आरोग्य भारती संरक्षक डॉ. जवाहरसिंह मण्डलोई और सचिव राजेन्द्र बोराना ने विद्यार्थियों को जीवन में कभी भी शराब आदि किसी भी प्रकार का नशा नहीं करने, व्यसनी शराबी दोस्तों का संग नहीं करने, शारीरिक, मानसिक दृष्टि से सदैव स्वस्थ रहने, कभी बीमार नहीं होने के लिये प्रतिदिन नियमित योगाभ्यास करते रहने के लिये प्रेरक उद्बोधन दिया। संचालन शिक्षण संस्थान संचालक प्रदीप भाटी ने किया। आभार आरोग्य भारती सुपोषण प्रभारी संजय राणा ने माना।

नक्शा तरमीम और ई-केवायसी का शत प्रतिशत कार्य पूर्ण करवाएं-चंद्रा

कलेक्टर द्वारा मनासा उपखंड कार्यालय का निरीक्षण, राजस्व महा अभियान की प्रगति का जायजा लिया

मनासा, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश एवं जिले में राजस्व संबंधी प्रकरणों के निराकरण के लिए राजस्व महा अभियान 2.0 आयोजित किया जा रहा है।इस अभियान के तहत राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया जा रहा है। राजस्व अभियान के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविर लगाकर खसरा ई केवाईसी का शत प्रतिशत कार्य पूर्ण करें। साथ ही नक्शा तरमीम का भी शत प्रतिशत कार्य पूरा करवाए। राजस्व अधिकारी राजस्व महा अभियान के तहत पटवारियों द्वारा प्रतिदिन किए जा रहे कार्यों कीं प्रगति की नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें।

यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शनिवार को उपखंड कार्यालय मनासा के निरीक्षण दौरान एसडीएम एवं तहसीलदार से राजस्व महा अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए दिए। कलेक्टर श्री चंद्रा ने एसडीएम एवं तहसीलदार द्वारा राजस्व प्रकरणों में हाल ही में पारित आदेश वाली राजस्व प्रकरणो की नस्तियों का अवलोकन भी किया। उन्होंने लोक सेवा केंद्र का भी निरीक्षण किया। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद, एसडीएम श्री पवन बारिया, तहसीलदार मनासा श्री बालकृष्ण मकवाना भी उपस्थित थे।

लोकमान्य तिलक उमा विद्यालय में मनाया स्वतंत्रता दिवस

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। लोकमान्य तिलक उ.मा.विद्यालय मंदसौर में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध शिक्षाविद एवं अशासकीय विद्यालय संगठन के जिला संरक्षक श्री रमेशचन्द्र चन्द्रे, पूर्व सीएमएचओ डॉ. अनिल नकूम, वरिष्ठ समाजसेवी श्री विमलचन्द्र मच्छीरक्षक, प्रसिद्ध गायनोलॉजिस्ट श्री सिद्धार्थ मेहता एवं श्रीमती मेहता, समाजसेवी संजय पोरवाल उपस्थित थे। जिन्होनें अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को स्वतंत्रता का महत्व समझाया। इस अवसर पर विद्यार्थियों देशभक्ति से ओतप्रोत गीत, नाटक एवं भाषण भी प्रस्तुत किये। जिसे सभी ने सराहा। विद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को अतिथियों के करकमलों से पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टॉफ एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक नितेश कसेरा एवं ब्रजेश सोनी ने किया एवं आभार संस्था प्राचार्य श्री दिशांत डांगी ने व्यक्त किया।

परामर्श जांच व चिकित्सा शिविर 22 को

पिपलियामंडी, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। पेसिफिक मेडीकल कॉलेज एंड हास्पीटल उदयपुर व पिपलिया पत्रकार हितार्थ व सामाजिक कल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में नि:शुल्क परामर्श जांच व चिकित्सा शिविर 22 अगस्त को प्रात: 10 से दोपहर 2 बजे तक गोपाल मिल परिसर में होगा। इसमें दंत, नेत्र, नाक, कान, गला, हड्डी, वक्ष, क्षय, टीबी, सिलीकोसिस, चर्म, कील, मुहासे, सफेद दाग, मानसिक रोग, स्त्री रोग आदि रोगों का नि:शुल्क उपचार कर दवाइयां दी जाएगी वहीं ऑपरेशन योग्य मरीजों का नि:शुल्क ऑपरेशन होगा।

संस्कृत यात्रा के साथ सप्त दिवसीय संस्कृत सप्ताह का शुभारंभ

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। श्री पशुपतिनाथ संस्कृत पाठशाला मंदसौर में सप्तदिवसीय संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर श्री दक्षिणेश्वरी ज्योतिष योग साधना संस्था के परमाध्यक्ष पूज्य गुरुदेव श्री घनश्याम शर्मा, श्री पशुपतिनाथ मन्दिर प्रबंध समिति प्रबंधक श्री राहुल रुनवाल, श्री विनय दुबेला, श्री बंशीलाल टांक, श्री कैलाश भट्ट, श्री सुरेन्द्र आचार्य, श्री राकेश भट्ट, श्री दिनेश पालीवाल, संस्कृत प्रभारी मंदसौर, एवं कई गणमान्य नागरिक ,पाठशाला के समस्त आचार्य गण व बटुक उपस्थित रहे।

बटुको ने संस्कृत यात्रा निकालकर अतिथियो व गणमान्य नागरिको को स्वस्तिवाचन व तिलक लगाकर संस्कृत सप्ताह की शुभकामनाए दी। संस्कृत सप्ताह के अवसर पर दिनांक 16 से 22 अगस्त तक संस्कृत पाठशाला मे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया जाएगा। उक्त जानकारी संस्था प्राचार्य श्री दुर्गाशंकर शर्मा ने दी।

तहसील केमिस्ट एसो. ने सौंपा ज्ञापन

पिपलियामंडी, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। पश्चिम बंगाल में महिला डॉक्टर के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद हुई हत्या के विरोध में सीबीआई जांच की मांग को लेकर केन्द्र सरकार के नाम ज्ञापन केमिस्ट एसोसिएशन तहसील अध्यक्ष प्रकाश बंसल ने तहसीलदार ब्रजेश मालवीय को सौंपा। ज्ञापन का वाचन मीडिया प्रभारी मोहनसेन कच्छावा ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में तहसील के मेडीकल स्टोर संचालकगण उपस्थित रहे। संचालन कुन्दन गुप्ता ने किया। आभार योगेश कच्छावा ने माना।

कंज्यूमर गुड सेल्स एसोसिएशन के चुनाव सम्पन्न

अध्यक्ष महेश सोमानी, सचिव पद पर सिद्धार्थ जैन हुए विजयी

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। कंज्यूमर गुड सेल्स एसोसिएशन (सीजीएसए) के चुनाव 15 अगस्त को हुए। संगठन में प्रतिवर्ष चुनाव होते है। चुनाव को संगठन के सभी 87 सदस्यों में उत्साह रहा। संगठन में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, संगठन मंत्री, प्रचार मंत्री एवं सांस्कृतिक मंत्री के लिये हुए चुनाव में 87 सदस्यों ने भाग लिया। चुनाव में अध्यक्ष पद पर महेश सोमानी, सचिव सिद्धार्थ जैन, कोषाध्यक्ष शक्तिमान मनीष गौड, उपाध्यक्ष किशन राठौड, संगठन मंत्री राहुल बानिया, प्रचार मंत्री नरेश बानिया एवं सांस्कृतिक मंत्री पद पर ओमप्रकाश राठौड विजयी हुए। सभी विजयी पदाधिकारियों का संगठन के सदस्यों ने स्वागत सम्मान किया। अध्यक्ष महेश सोमानी ने कहा की संगठन ने मुझ पर जो भरोसा किया है उस पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा, संगठन के लिये आवश्यक सभी कार्य हम मिलजुलकर करने का प्रयास करेंगे। एक भाव के साथ हम सभी आगे बढ़ेंगे। इस अवसर पर संगठन के मार्गदर्शक वीरेन्द्र नामदेव, मुख्य चुनाव अधिकारी सुमित नागदा, जितेन्द्र शर्मा, मनीष जोशी, सौरभ सोमानी की उपस्थिति में चुनाव आयोजित हुए। इस अवसर सभी सदस्यों को अर्पित मंडवारिया एवं सौरभ सोमानी की ओर से उपहार दिये गये एवं गौरव त्रिपाठी की ओर से सभी सदस्यों को एक-एक पौधा वितरित किया गया।

उधारी के रुपए को लेकर मारपीट

पिपलियामंडी, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। उधारी के रुपए नही देने पर युवक के साथ मारपीट के मामले में दो के खिलाफ प्रकरण दर्ज हुआ। गुडभेली बडी निवासी बल्लूपुरी ने शनिवार को पिपलिया चोकी पर शिकायत दर्ज कराई कि बीती रात्रि में गांव में नई आबादी मेरे प्लाट पर था। इस दौरान गांव का पंकज गिरी व संजय गिरी आए और उधार दिए 200 रुपए मांगे, मैंने नही होने की बात कही तो दोनों ने लकडी व पत्थर से मारा, जिससे सिर में चोंट आई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

महिला को पीटा, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। महिला के साथ मारपीट पर महिला के खिलाफ प्रकरण दर्ज हुआ। वार्ड 4 फाटक मोहल्ला निवासी संगीता पति घनश्याम दमामी ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि पडोसी मधु पति सोनू शर्मा मुझे देखकर गाली-गलौज करती रहती है, मैंने गाली देने से मना किया तो मारपीट की व पट्टी के टुकडे से पीठ पर मारी, जिससे चोंट आई। पुलिस ने मधु के खिलाफ केस दर्ज किया।

अंजू तिवारी महिला बाल विकास विभाग परियोजना ग्रामीण-दो में विधायक प्रतिनिधि नियुक्त

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं जिला महिला कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष श्रीमती अंजू तिवारी को मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन द्वारा महिला बाल विकास विभाग परियोजना ग्रामीण 2 मंदसौर में विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है। श्रीमती तिवारी के विधायक प्रतिनिधि नियुक्त होने पर पूर्व विधायक पुष्पा भारती, प्रदेश युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष सोमिल नाहटा, रफत पयामी नपा नेता प्रतिपक्ष, इष्ट भाचावत, अशोक रैकवार विधायक प्रतिनिधि नगरपालिका, संजय सोनी विधायक प्रतिनिधि आदिम जाति कल्याण विभाग, माजिद चौधरी विधायक प्रतिनिधि पशु पालन विभाग, राजेश फरक्या विधायक प्रतिनिधि शिक्षा विभाग, मनोहर नाहटा विधायक प्रतिनिधि जिला अस्पताल, अरविन्द सिंह राठौर, हेमंत शर्मा, श्याम गुगर जनपद सदस्य, अखिलेश शर्मा, अनिल बंधवार, रवि आचार्य, पंकज गुप्ता, शेरू कुरेशी, मनीष भावसार, राकेश चौधरी, सुनील शिंदे, शैलेन्द्र जोशी, अनीष माथुर, वैभव जैन, हंस कुमार जैन, राजेन्द्र खाबिया, अनूप पोरवाल, कुलदीप वसंता, अजय मुंगड, मालती व्यास, प्रमिला सिंह, दिशी शर्मा, ममता व्यास, निर्मला सांखला, मधु सोमानी, ललिता, मधु सोनगरा, नेहा जैन, कुसुम विश्वकर्मा आदि ने बधाई दी एवं मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन ने आभार माना। उक्त जानकारी अंजू तिवारी ने दी।

आरव बाफना ने स्विमिंग में जीते 5 मेडल, एक नया रिकॉर्ड भी बनाया

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। 52वीं एम.पी .स्टेट ओपन स्विमिंग चैंपियनशिप इंदौर में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में मंदसौर जिले के आरव बाफना पिता निलेश बाफना ने भाग लिया और प्रतियोगिता में 5 मेडल जीते और 50 मीटर बटरफ्लाई में स्टेट का नया रिकॉर्ड 44.79 सेकंड बनाया व मंदसौर जिले के लिए गौरव की बातें हैं। आरव बाफना ने 50 मी बटरफ्लाई में स्वर्ण पदक, 50 मी ब्रेस्टस्ट्रोक में रजत पदक, 200 मी आईएम में रजत पदक,4स50 मी मिडिल रिले में रजत पदक, 4स50 मी फ्री रिले में कांस्य पदक जीते हैं। आरव बाफना के इस उपलब्धि के लिए प्रभु सर, त्रिभुवन सर, सुधा मैम, नीलेश सर, आयुष सर, रोहित सर, अभिषेक सर, समीर सर ने आरव को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दिनांक 18 अगस्त 2024
अपनी कुण्डली स्वयं देखे-
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ
प्रसिद्ध पंचमहापुरुष योग-हंस
❊ जब बृहस्पति किसी जन्म कुंडली में कर्क-धनु या मीन राशि का होकर केंद्र स्थानों में बैठा हो तब हंस नामक पंच महापुरुष योग का निर्माण होता है, इस योग में जन्म लेने वाले जातक दिखने में सुंदर, शुभ गुणों से युक्त प्रशंसनीय, विद्वान, ज्ञानी और सुखी होते हैं।
जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

राजस्व महाअभियान के तहत....

ग्रामीणों से रूबरू हुए कलेक्टर, समस्याओं के निराकरण के दिए निर्देश

नीमच, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश एवं जिले में चलाए जा रहे हैं राजस्व महा अभियान के तहत नीमच जिला कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मनासा क्षेत्र के भ्रमण के दौरान शनिवार को ग्राम दूधलाई पहुंचकर ग्राम चौपाल पर ग्रामीणों की समस्याओं से रूबरू हुए और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री गुरु प्रसाद एसडीम श्री पवन बारिया जनपद सीईओ श्री अरविंद डामोर, सरपंच श्रीमती कला बाई एवं ग्रामीण जन

उपस्थित थे।

ग्राम चौपाल पर दूधलाई के ग्रामीणों से रूबरू होते हुए कलेक्टर श्री चंद्रा ने गांव में संचालित पेयजलयोजना से नियमित रूप से जलापूर्ति की जानकारी ली और ग्रामीणों से पूछा कि हर घर को नल सेजल मिल रहा है। ग्रामीणों ने अवगत कराया, कि एक दिन छोडकर नल से जल आपूर्ति की जा रही है। ग्रामीणों को पर्याप्त पानी मिल रहा है कलेक्टर ने शाला परिसर में स्थापित पंप हाउस का भी निरीक्षण किया और पंप ऑपरेटर से गांव में वाल्व की संख्या और जल प्रदाय की स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों से चर्चा में एक ग्रामीण ने वार्ड नंबर 7 में नाला भर जाने से गंदगी की ओर ध्यान आकर्षित कराया। इस पर कलेक्टर ने पंचायत सचिव को तत्काल नाले की साफ सफाई करवाने के निर्देश भी दिए। प्रारंभ में सरपंच एवं ग्रामीणों ने साफा बांधकर एवं पुष्प हारो से कलेक्टर का स्वागत किया।

डॉ. रेप मर्डर में...

फांसी दो हर हाल
आर.जी.के. अस्पताल
गुण्डों की धमाल
पीड़ितों का दमन
पुलिस बे हाल।
विरोध किसका
नहीं समझ पाई
खुद के खिलाफ
ममता सड़क पे आई।
देश में उबाल
न्याय का सवाल
डॉ. रेप मर्डर में
फांसी दो हर हाल।

नन्दकिशोर राठौर, मन्दसौर

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	73	2439	2620
उडद	1	4900	4900
सोयाबीन	3550	3400	4300
गैहु	2890	2580	3230
चना	210	5000	7200
मसुर	115	5425	6131
धनिया	210	4700	5960
लहसुन	12600	7800	23400
मैथी	460	4675	5700
अलसी	750	5300	5930
सरसो	284	4767	5281
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	55	9718	13000
प्याज	1600	1150	3287
कलोंजी	19	8650	18680
डॉलर	10	6600	11101
तिल्ली	94	9700	12090
मटरसुखी	8	5555	7313
असालीया	12	8430	10061

कलकत्ता में रेजिडेंट डॉक्टर की जघन्य हत्या से आक्रोशित मंदसौर के...

चिकित्सकों ने किया विरोध प्रदर्शन, दोषियों को कठोर सजा देने की मांग

24 घंटे तक रखी चिकित्सा सेवाएं स्थगित, वाहन रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचकर दिया ज्ञापन

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। आर. जी. कार मेडिकल कालेज कलकत्ता की रेजीडेंट डॉक्टर की जघन्य हत्या व उसके उपरांत शांतिपूर्वक विरोध कर रहे चिकित्सकों पर भीड तंत्र द्वारा दमन व तोडफोड से आक्रोशित होकर मंदसौर के चिकित्सा संगठन आई.एम.ए. मंदसौर द्वारा जिला चिकित्सालय परिसर में एकत्र होकर अपना विरोध प्रदर्शन किया गया। यहां ज्ञापन का वाचन डा.सुशील चिचानी द्वारा सभी सदस्यों के लिए किया गया।

तत्पश्चात दोपहिया वाहनों से कलेक्ट्रेट परिसर पहूंचे। जहां वरिष्ठ चिकित्सक डॉ.एम.एल.गांधी एवं आई.एम.ए. अध्यक्ष डॉ.रमेश कनेसरिया ने ए.डी.एम. एवं तहसीलदार को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया। ज्ञापन का वाचन डॉ.सुरेश जैन द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है के इस संदर्भ में आई.एम.ए.की प्रदेश शाखा के निर्देशों के अनुरूप बाह्य रोगी चिकित्सा सेवाएं 17 अगस्त की प्रात: 6 बजे से 18 अगस्त की प्रात: 6 बजे तक एक दिन के लिए स्थगित की गई। इस स्थगन के कारण आमजन को हुई असुविधा के लिए संगठन द्वारा खेद भी प्रकट किया गया। आज के इस विरोध प्रदर्शन और रैली के लिए आई.एम.ए. को स्थानीय निजी चिकित्सक संघ, आयुष चिकित्सक संघ, इंडियन डेंटल एसोसिएशन मंदसौर शाखा, केमिस्ट एसोसिएशन, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन, मेडिकल/पैरामेडिकल स्टाफ एवं सामाजिक बंधुओं को स्वैच्छिक सहयोग प्राप्त हुआ। आई.एम.ए. सचिव डा.सुशील चिचानी ने सभी सहयोगी संगठनों का हृदय से आभार व्यक्त किया। आई.एम.ए.मंदसौर द्वारा इस जघन्य हत्याकांड की निष्पक्ष जांच के साथ ही दोषियों को कठोरतम सजा देने की मांग की गई। आम जन की जीवन रक्षा को समर्पित चिकित्सक समुदाय की सुरक्षा को सुदृढ बनाए जाने की मांग भी की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ महिला रोग विशेषज्ञ डॉ.कमला जैन एवं वरिष्ठचिकित्सक साथी डॉ. रमेश देवडा,, डा.प्रदीप चेलावत, डा.गोविंद छापरवाल, डा.के.एल.राठौर एवं बडी संख्या में स्थानीय चिकित्सक गण सम्मिलित हुए।

कोलकाता मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के साथ हुई घटना का इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की हड़ताल का प्रगतिशील रेडियोग्राफर संघ द्वारा दिया गया समर्थन– कोलकाता मेडिकल कॉलेज में जूनियर महिला डॉक्टर के साथ हुई हत्या की घटना के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा हडताल की गई इसके समर्थन में प्रगतिशील रेडियोग्राफर संघ जिला मंदसौर शाखा द्वारा अपना समर्थन देते हुए आईएमए के हडताल स्थल पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी गण उपस्थित रहे। जिला मंदसौर को हडताल के संबंध में अपना समर्थन पत्र सौंपा। उक्त समर्थन पत्र प्रगतिशील रेडियोग्राफर संघ के प्रदेश सलाहकार श्री मोहनलाल धनगर के साथ जिले के सभी सदस्य ऋतु साहू, अजय गंगवाल, प्रदीप मालवीय, धनंजय शाक्य, राहुल चौहान, रेडियोग्राफर तथा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के चिकित्सकों के अलावा अन्य स्वास्थ्य होते रहे।

एमपी हाईकोर्ट की तीखी टिप्पणी...

मौत, डॉक्टरों की हड़ताल खत्म होने का इंतजार नहीं करेगी, तुरंत काम पर लौटें

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की जबलपुर बेंच ने डॉक्टरों को हडताल समाप्त कर काम पर लौटने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि हडताल के कारण किसी मरीज की जान गई तो, चिकित्सा का पेशा दागदार होगा। डॉक्टरों की शिकायतों पर 20 अगस्त को सुनवाई करेंगे। भोपाल, जबलपुर में भी अस्पतालों में ओपीडी बंद रखने का फैसला लिया। निजी अस्पतालों में सिर्फ इमरजेंसी सेवाएं चालू हैं। हडताल की वजह से ज्यादातर सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की हालत बिगड़ने लगी है। इलाज के लिए मरीजों की लाइनें लग रही। पैथोलाजी टेस्ट नहीं हो पाए। स्वजन भी हलकान होते रहे।

कोर्ट की अनुमति बिना भोपाल में डॉक्टर हडताल पर क्यों गए हैं?– शुक्रवार को कोर्ट ने ने सवाल किया था कि पूर्व में दिए स्पष्ट आदेश के बावजूद कोर्ट की अनुमति बिना भोपाल में डॉक्टर हडताल पर क्यों गए हैं? कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने इस सिलसिले में स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव, डीन गांधी मेडिकल कालेज व जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन, जीएमसी भोपाल को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

वॉटसएप, ईमेल के माध्यम से तत्काल नोटिस भेजने कहा– कोर्ट ने वॉटसएप, ईमेल के माध्यम से तत्काल नोटिस भेजने कहा था। साथ ही मामले पर शनिवार को पुन: सुनवाई निर्धारित कर दी थी। शनिवार को सुनवाई के दौरान पक्षकारों के जवाब आए। जिन पर गौर करने के बाद कोर्ट ने जान जा रही होगी तो दो दिन बाद दवा देंगे, जैसी अपनी पुरानी तल्ख टिप्पणी दोहराई।

नरसिंहपुर के अंशुल तिवारी ने हाई कोर्ट में चुनौती दी– जनहित याचिकाकर्ता नरसिंहपुर निवासी अंशुल तिवारी ने डॉक्टरों की हडताल को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संजय अग्रवाल व अभिषेक पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि वर्ष 2023 में भी इसी विषय को लेकर जनहित याचिकाएं दायर की गई थीं।

अदालत की अनुमति बिना डाक्टर हड़ताल पर नहीं जा सकते– हाई कोर्ट ने उन मामलों में स्पष्ट निर्देश दिए थे कि अदालत की अनुमति बिना डॉक्टर हडताल पर नहीं जा सकते। कोर्ट ने यह भी कहा था कि टोकन स्ट्राइक पर जाने के लिए भी कोर्ट की अनुमति जरूरी है। इसके बावजूद प्रदेश भर में डॉक्टर हडताल पर जा रहे हैं, जिससे चिकित्सा व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

जूनियर डॉक्टरों ने गुरुवार रात 12 बजे से काम बंद कर दिया था– कोलकाता में आठ अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में देशभर में डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन जारी है। भोपाल में एम्स के बाद हमीदिया अस्पताल के जूनियर डाक्टरों ने गुरुवार रात 12 बजे से काम बंद कर दिया था। इंदौर में भी जूनियर डॉक्टर इमरजेंसी केस ही देख रहे हैं।

कलेक्टर ने किया जल प्रदाय योजना के कार्यों का निरीक्षण

नीमच, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। गांधी सागर समूह जल प्रदाय योजना के सभी निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करवाकर जिले के सभी गावों में आगामी मार्च तक जल आपूर्ति सुनिश्चित करें। योजना के लाभ से जिले का कोई भी गांव, घर वंचित ना रहे, इसका विशेष ध्यान रखे। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शनिवार को 1400 करोड की गांधी सागर जल प्रदाय योजना के तहत हर घर नल से जल योजना के निर्माण कार्यो की प्रगति का निरीक्षण करते हुए दिए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, जल निगम के महाप्रबंधक श्री जितेन्द्र सिह राणावत, श्री सुनील सिह तोमर, एसडीएम श्री पवन बारिया एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

इस निरीक्षण दौरान जल जीवन मिशन के महाप्रबंधक श्री जितेन्द्र सिह राणावत ने अवगत कराया, कि इस योजना के तहत नीमच जिले के 646 गांवों में नल से शुद्ध जल प्रदाय किया जाकर, 1.97 लाख परिवारों को लाभांवित किया जावेगा। नीमच जिले में लगभग 450 कि.मी.पाईप लाईन बिछाने का कार्य हो गया है। शेष कार्य तेजी से जारी है, योजना के तहत एक इंटेकवेल 168.72 एम.एल.डी.क्षमता का निर्माणाधीन है। साथ ही बस्सीकला में 136 एम.एल.डी.क्षमता का वृहद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट भी 20 हेक्टेयर क्षेत्र में बन रहा है। बीस नग क्लींयर वाटर सम्पवेल एवं पम्प हाउस एवं कुल 318 आरसीसी ओव्हरहेड टैंक का निर्माण कार्य भी तेजी से चल रहा है। साथ ही 4 हजार कि.मी. से अधिक की पाईपलाईन एवं 1600 कि.मी.क्लीयर वाटर पाईपलाईन बिछाने का कार्य भी लगभग पूर्ण हो गया है। शेष कार्य तेजी से चल रहा है। सभी कार्य समय सीमा में पूर्ण कर लिये जायेंगे। कलेक्टर श्री चंद्रा ने शनिवार को बस्सी ब्लाक में गांधी सागर जल प्रदाय योजना के तहत निर्माणाधीन वाटरट्रीटमेंट प्लाट का मौके पर निरीक्षण किया और निर्माण कार्यो की प्रगति का जायजा लिया। कलेक्टर ने पावर प्रजेंटेशन के बारे में योजना के तहत निर्माणाधीन सभी कार्यो की प्रगति का अवलोकन किया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पाईप लाईन बिछाने से क्षतिग्रस्त सडकों के रेस्ट्रोरेशन का कार्य गुणवत्तापूर्ण तेजी से किया जाए, जिससे कि ग्रामीणों को कोई असुविधा ना हो।

एक पेड मॉ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण– कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद एवं एसडीएम श्री पवन बारिया ने जल निगम अधिकारियों के साथ बस्सी ब्लॉक में निर्माणाधीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के निरीक्षण दौरान प्लांट के समीप पौधारोपण भी किया।

हृदयघात से स्कूल चौकीदार सहित 2 जनों की मृत्यु

पिपलियामंडी, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। शनिवार को क्षेत्र में स्कूल चौकीदार सहित दो की अचानक मौत हो गई। दोनों की मौत हृदयघात से होने की आशंका है। हृदयघात से दो दिन में तीन मौत हो गई। जानकारी के अनुसार प्रेरणा इंग्लिश स्कूल में चौकीदार राजेन्द्रसिंह (75) पिता मदनसिंह सोनगरा निवासी रिछा (नारायणगढ) शनिवार प्रात: 10.30 बजे स्कूल परिसर में थे, इसी दौरान अचानक गिर गए। स्कूल संचालक नरेन्द्र पाटीदार उन्हें पिपलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले गए, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। चौकीदार की मौत हृदयघात से होने की आशंका है। इसी तरह शनिवार शाम पोवल्ली चोराहे पर बाइक सवार के पीछे बैठे बोतलगंज निवासी राशिद पिता मुश्ताक पेमला की अचानक तबीयत बिगडी, जिसे निजी वाहन से मंदसौर जिला अस्पताल ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। राशिद की मौत भी हृदयघात से होना सामने आया है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को पिपलिया कृषि उपज मंडी में लहसुन लेकर आए किसान मांगरोल चक निवासी किसान मदनसिंह की भी अचानक हृदयघात से मौत हो गई थी।

प्रेक्टिशनर उतरे सड़क पर, पहुंचे तहसील कार्यालय, फांसी की सजा की रखी मांग

मनासा, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ओन ड्यूटी पोस्ट गेजुएट ट्रेनी डॉक्टर का रेप और हत्या के संबंध में कुकडेश्वर व क्षेत्र के समस्त प्राइवेट प्रैक्टिसनर एसोसिएशन कुकडेश्वर ने अपना निजी चिकित्सालय बंद रखकर, भारतमाता चौराहे पर एकत्रित हुए और मौन रहकर पैदल मार्च निकालकर, तहसील टप्पा कार्यालय पहुंचे व नायाब तहसीलदार नवीन छलोत्रे को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया। ज्ञापन का वाचन करते हुए प्रेक्टिशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल (टोनी) सांवलिया ने संगठन के माध्यम से माँग की गई है कि,

दिनांक 9 अगस्त 2024 को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ऑन ड्यूटी पोस्ट ग्रेजुएट ट्रेनी डॉक्टर का रेप कर उनकी हत्या कर दी गई, उक्त घटना की हम सभी सदस्य घोर निंदा एवं विरोध करते हैं। उक्त घटना से हम क्षेत्र के प्राइवेट प्रैक्टिसनरो में भी

भारी भय का माहौल बना हुआ है। ऐसे आरोपी किसी भी प्राइवेट प्रेक्टिसनरों एवं चिकित्सकों के साथ कभी भी कोई भी घटना कारित कर सकते हैं। हमारा कार्य एक सेवा का कार्य है, किंतु उक्त घटना से हम सब डरे हुए हैं। इसलिए शीघ्र ऐसे आरोपियों के विरुद्ध यदि सख्त से सख्त कार्यवाही नहीं की गई तो अन्य अपराधियो के भी हौसले बढेंगे व इस प्रकार की घटनाएं आम हो जायेगी। इसलिए उक्त आरोपी को फांसी की सजा दिलाई जाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि भविष्य में पुन: उक्त घटना की पुनरावृत्ति न हो। शीघ्र उक्त व्यक्ति को फांसी की सजा दिए जाने हेतु वैधानिक कार्यवाही की जाने की मांग रखी। ज्ञापन देने के दौरान संगठन के संरक्षक राजाराम खुवार, कारूलाल सेन, मानमल पिपलीवाल, सुरेश भावसार, घीसालाल सोलंकी, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, अध्यक्ष अनिल (टोनी) सांवलिया, उपाध्यक्ष महेश शर्मा, गजेन्द्र भावसार, कोषाध्यक्ष अमित मिश्रा, कार्तिक पारे, सचिव विजय सोलंकी, सहसचिव समरथ सोलंकी, महानंद विश्वास, सलाहकार मोहसीन पठान, संदीप भावसार, मिडिया प्रभारी भरत गंधर्व, भारतलाल दायमा व सदस्य शिवमंगल माली, रोहित मालाकार, निवासदास बैरागी, नागेश गुर्जर, रतन मालाकार, पवन रावत, करण मिश्रा, तपन समंदर, गोपाल गुर्जर, राहुल, नागुलाल माली, ईश्वर दास बैरागी, मुकेश मेहता, अंकित पाटीदार, जीवराज सुरावत, मनोज कथरिया, प्रकाश भावसार, कमलेश नागदा, गिरीश शुक्ला आदि उपस्थित थे।

वाहन ने टक्कर मारी, मृत्यु

नीमच, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। शहर के सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले भाटखेडा चौराहा के समीप शनिवार सुबह एक सडक़ हादसा हो गया। यहां एक अज्ञात लापरवाह वाहन चालक ने सडक़ किनारे वॉक के लिए निकले एक व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें 50 वर्षीय एक व्यक्ति मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर एम्बुलेंस की सहायता से मृतक को नीमच जिला चिकित्सालय लाया गया। लेकिन डॉक्टर ने भी उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक भोपाल सिंह पिता सूजन सिंह उम्र 50 वर्ष जाति राजपूत मूलरूप से रामपुरा तहसील के गांव डायली के रहने वाले थे। लेकिन करीब 20 वर्ष से भाटखे?ा में अपने ससुराल रह रहे थे। यहीं पर अडानी विल्मार फैक्ट्री के काम करते थे। रोजाना की तरह वे सुबह घूमने निकले। धीरेंद्र सोया फैक्ट्री बरूखेडा के समीप अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। वहीं मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मृतक के शव का परिजनों की मौजूदगी में नीमच जिला चिकित्सालय में पोस्टमॉर्टम किया गया।

शिवसेना ने निकाली तिरंगा, भगवा रैली

पिपलियामंडी, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। महिला अघाडी शिवसेना जिला प्रमुख श्यामादेवी नायक के नेतृत्व में अयोध्या बस्ती शीतला माता मंदिर से ढोल-ढमाकों व डीज के साथ तिरंगा, भगवा रैली निकाली गई। रैली मुख्य मार्ग होती हुई गांधी चोराहा पहुंची, यहां पदाधिकारियों ने जिला प्रमुख श्यामाबाई को केलों से तोला। इस अवसर पर शिवसेना जिला कार्यकारी राज्य प्रमुख नाहरसिंह गौड, उप राज्य प्रमुख भगतराम नायक, शुभमसिंह कछावा, प्रतापसिंह भाटी, राजेश धाकड, विजयसिंह आदि उपस्थित रहे।

लायंस को सत्र का चौथा नेत्रदान प्राप्त

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मंडोवरा परिवार (डीकेवाय) द्वारा गायत्री परिवार के वरिष्ठ सदस्य श्री सुभाष मंडोवरा के मरणोपरांत उनके लॉयन्स क्लब मंदसौर के माध्यम से नेत्रदान किया गया। नेत्र उत्सर्जन कुशल नेत्र चिकित्सक लॉयन डॉ मज़हर हुसैन द्वारा किये गए। इस अवसर पर क्लब के एमजेएफ लॉयन सुभाष बग्गा, लॉयन डॉ. मुकेश माहेश्वरी , उपाध्यक्ष लॉयन रत्नेश कुदार एवं लॉयन आशीष सिंह मण्डलोई ने स्व. श्री मण्डोवरा को श्रद्धासुमन अर्पित किए व मण्डोवरा परिवार के इस पुनीत कार्य के लिये आभार व्यक्त किया।

रोटरी के माध्यम से हुआ स्व. सुभाष मण्डोवरा का देहदान

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। गायत्री परिवार से जुडे श्री सुभाष मण्डोवरा (डीकेवाय) का स्वर्गवास होने पर मण्डोवरा परिवार द्वारा रोटरी क्लब मंदसौर के माध्यम से स्व. श्री सुभाष मण्डोवरा का देहदान सुंदरलाल पटवा मेडिकल कॉलेज मंदसौर किया गया। स्वजनों व रोटरी क्लब के सदस्यों ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर देहदान की प्रक्रिया पूरी कराई। रोटरी क्लब अध्यक्ष योग गुरू सुरेंद्र जैन ने बताया कि श्री सुभाष मण्डोवरा ने पूर्व में देहदान की घोषणा कर रखी थी। उनकी इच्छा के अनुसार स्वजनों की उपस्थिति में देहदान किया गया। प्राप्त

देह के माध्यम से मेडिकल छात्र-छात्राएं शोध कार्य कर सकेंगे ताकि अन्य बीमार लोगों की जिंदगी बचाई जा सके। रोटरी के प्रकल्प चेयरमैन डॉ. एस.एम. जैन, शरद गांधी, मोहन माहेश्वरी ने बताया कि रोटरी क्लब के माध्यम से देहदान देने का यह 13वां मामला था। रोटरी क्लब 2002 से इस प्रकल्प पर कार्य कर रहा है। अभी तक 138 व्यक्तियों ने देहदान के लिए फार्म भरकर स्वीकृति दी है। स्व. श्री मण्डोवरा का शरीर मेडिकल कॉलेज की डीन शशि गांधी, डॉ. सौमित्र सेठी, डॉ. सचिन कश्यप ने प्राप्त किया। इस अवसर पर रोटेरियन सदस्यों ने उपस्थित होकर स्व. श्री मण्डोवरा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मण्डोवरा परिवार को इस पुनीत कार्य के लिये साधुवाद दिया है।

आर्थिक कल्याण योजना अंतर्गत करें आवेदन

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग द्वारा बताया गया कि म.प्र. शासन आदिम जाति कल्याण विभाग के तत्वाधान में जिले के आदिवासी वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के अंतर्गत आवेदन कर सकते है। आवेदन करते समय आवेदक की उम्र 18 वर्ष से 55 तक हो, आवेदक म.प्र. का मुल निवासी हो, जाति प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, पेन कार्ड, गरीबी रेखा खाद्य सुरक्षा प्रमाण पत्र एवं कक्षा 8वीं उर्त्तीण हो।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक ट्रेन से होगा सफर

त्रिकुटा पर्वत पर मां वैष्णो देवी के चरणों का ले सकेंगे आशीर्वाद

इंदौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। कश्मीर से कन्याकुमारी के रोमांचकारी ट्रेन सफर के लिए बस अब ढाई महीने का ही इंतजार करना है। उसके बाद इस सफर में आप मां वैष्णो देवी के चरणो से होते हुए कश्मीर तक की यात्रा का आनंद लेंगे। रेलवे ने कश्मीर से रियासी तक की रेललाइन के काम को पूरा कर लिया है। अब बस कटडासे रियासी के 19 किलोमीटर के रेल खंड के काम को खत्म करना है। इसमें एक टनल का काम बचा हुआ है। उसके बाद दीवाली तक सारा काम पूरा होने की संभावना है। उसके बाद देश कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक रेलमार्ग से कनेक्ट हो जाएगा।

सुरंग की लंबाई 3.2 किलोमीटर– उसके बाद देश में कहीं से भी कश्मीर तक रेल से पहुंचा जा सकेगा। यह एक बडी उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है। अभी कटडा-रियासी रेलखंड में त्रिकुट पर्वत की तलहटी पर एक सुरंग बननी है। यह 3.2 किमी लंबी है, जिसका काम पूरा होना बाकी है।

टनल की फिनिशिंग का काम शेष– आपको बता दें कि टनल में दो महीने का ही काम बचा हुआ है। इसकी खुदाई दिसंबर 2023 में पुरी कर ली गई थी। इसको अंदर से पक्का भी कर लिया है। जल निकासी प्रणाली, बिजली, वेंटिलेशन, सिग्नल, सुरक्षा और ट्रैक बिछाने के काम को पूरा करना अभी बाकी है। रेलवे सुरक्षा आयुक्त दिनेश चंद देशवाल ने बीते शुक्रवार को निरीक्षण कर उम्मीद जताई थी कि इसी माह के अंत तक इस रेलखंड पर ट्रेनों का चलना शुरू हो सकेगा। रेलवे का फोकस है कि वह जल्द से जल्द रियासी से कटडा तक के 19 किलोमीटर रेलखंड के काम को पूरा करे। इस खंड में 3.209 किमी लंबी टनल का 60 फीसदी काम बचा है।

दो पक्षो में जमकर मारपीट, 4 के खिलाफ क्रास प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। दो पक्षों में हुई जमकर मारपीट पर पुलिस ने क्रास कायमी कर महिलाओं सहित 4 के खिलाफ केस दर्ज किया। फाटक मोहल्ला निवासी मंजू मालवीय ने पिपलियामंडी पुलिस थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि प्रकाश पिता राजू बावरी ने शराब के नशे में मुझे दुकान लगाने से मना किया और गालियां दी। मैंने गालियां देने से मना किया तो प्रकाश ने हॉकी से सिर, आखं, गाल, पैर, पीठ आदि जगह वार किए, जिससे चोंटे आई। इसी तरह प्रकाश बावरी ने शिकायत दर्ज कराई कि मंजूबाई के घर के बाहर संदिग्ध लोग बैठे रहते है, मैंने बाहरी लोगों को आने से मना किया तो मंजूबाई, उनी शर्मा रोहित आदि ने मिलकर गाली-गलौज की व चाटली से पीटा, जिससे खून बहने लगा। पुलिस ने दोनों मामलों में क्रास प्रकरण दर्ज किया।

त्यौहारों एवं पर्वों के दौरान पारंपरिक रीति रिवाजों का उपयोग करें-कलेक्टर

मिट्टी की मूर्तियों को सभी खरीदें और उपयोग करें, आगामी सभी पर्व शांतिपूर्ण तरीके से हर्षोल्लास के साथ मनाएं

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक पुलिस कंट्रोल रूम सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान आगामी दिनों में आने वाले पर्वो अंतिम श्रावण सोमवार, शाही सवारी, रक्षाबंधन, श्री कृष्ण जन्माष्टमी, गोगा नवमी, गणेश चतुर्थी, गणेश उत्सव, डोल ग्यारस, मिलाद उल नबी, अनंत चतुर्दशी इत्यादि पर्वों पर की जाने वाले शांति व्यवस्था पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान सभी समाज जनों से आग्रह किया गया की आगामी सभी पर्व शांतिपूर्ण तरीके से हर्षोल्लास के साथ मनाए। बैठक के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, जनपद अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, एडिशनल एसपी श्री गौतम सिंह सोलंकी, शांति समिति के सदस्य, पत्रकार मौजूद थे।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने कहा कि आगामी पर्व एवं त्योहार के दौरान हम सभी को पारंपरिक रीति रिवाज को अपनाना चाहिए। इसके साथ ही पारंपरिक वाद्य यंत्र, ढोल इत्यादि का प्रयोग करना चाहिए। त्योहारों के दौरान हम सभी पारंपरिक चीजों को भूलते जा रहे हैं, इसलिए पारंपरिक चीजों को अपनाना चाहिए। डीजे का उपयोग करने से हमें बचना चाहिए। पारंपरिक रीति रिवाज को अपनाने में शासन की भी मदद ले सकते हैं। इसके साथ आयोजक मंडल नवीन व्यवस्थाओं एवं जहां पर ट्रैफिक की समस्या रहती है, वहां पर नवीन मार्गों को भी उपयोग कर सकते हैं। ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग से आम जनों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। आयोजन कर्ता आयोजन के दौरान वोलेंटियर नियुक्त करें। वोलेंटियर अधिक से अधिक व्यवस्था देखे इसके लिए उन्हें प्रेरित करें। शाही सवारी के दौरान सवारी सुचारू रूप से चले, जिससे समय पर मंदिर परिसर में सवारी पहुंच जाए। इसका विशेष तौर पर ध्यान रखें। सवारी के दौरान आयोजक मंडल पर्याप्त इंतजाम करें। रास्ते में किसी प्रकार की कोई रुकावट ना हो, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके साथ ही नगर पालिका, वोलेंटियर एवं समाजसेवी सवारी के पीछे-पीछे साफ सफाई का भी ध्यान रखें। नगर पालिका इसके लिए सफाई दल लगाए, जो सवारी के पीछे लगातार साफ सफाई करता रहे। कलेक्टर ने सभी जनप्रतिनिधियों, समाज जनों से बैठक के दौरान आग्रह किया कि, स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित मिट्टी की मूर्तियां का प्रयोग करें। साथ ही अपने पडोसियों, मित्रों को भी मिट्टी की मूर्तियों का उपयोग करने के लिए प्रेरित करें। हम सभी को प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों के उपयोग से बचना चाहिए। मिट्टी की मूर्तियां पर्यावरण के लिए हितेषी है और इनके उपयोग से समूह की महिलाओं को रोजगार भी प्राप्त होगा। नगर पालिका मूर्ति विसर्जन, पूजन सामग्री विसर्जन के लिए बेहतर व्यवस्था करें। इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाए की, मूर्ति एवं पूजन सामग्री नदी तालाब में विसर्जित न हो।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने दो संस्थानों से लिए सेम्पल

मंदसौर, 17 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। त्यौहारों पर आमजनों को शुद्ध एवं ताजी खाद्य सामाग्री मिलें इसके लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। 17 अगस्तशनिवार को कार्यवाही के दौरान मंदसौर नगर के दो संस्थानों का निरीक्षण करते हुए गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते नमूने जब्त किये गये है। जिन्हें राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया हैं।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी बी एस जामोद ने बताया कि 17 अगस्त शनिवार को कार्यवाही के दौरान चामुण्डा बिकानेर स्वीटस से मणीकणिका स्वीट एवं गोविन्द स्वीटस से मलाई बर्फी का नमुने लिये गये हैं। सभी खाद्य नमुनों को गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते खाद्य विश्लेषक राज्य खाद्य प्रयोगशाला मप्र भोपाल भेजे गये है जहां से जांच रिपोर्ट आने पर आगामी कार्रवाई की जायेगी। कार्रवाई के दौरान सभी संस्थानो को अपने यहां साफ सफाई रखने एवं पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये।

शाही सवारी : दस हजार से... पेज 1 से जारी

सवारी में भक्तों को आमंत्रण देने के लिए वाहन रैली भी पूर्व संध्या पर निकाली गई थी। जो मंदसौर के इतिहास की पहली वाहन रैली थी। अब तो मंदिर पर और भी कई आयोजन होते हैं। जब तत्कालीन नपाध्यक्ष स्व. प्रहलाद बंधवार जुड़े तो शाही सवारी को व्यापक रुप दिया गया था।

नए दौर में परिवर्तन– शुरुआत में सवारी निकाली तो संसाधन भी सीमित थे। ढोल और लेजिम के अलावा ट्रॉली में सवारी निकाली। चार-पांच सालों तक सीमित संसाधन से सवारी निकली। फिर बदलाव का दौर शुरु हुआ और अब पिछले पांच से सात सालों से झांकियों के साथ बाहर के कलाकारों की प्रस्तुतियों के अलावा इसका स्वरुप ही व्यापक हो गया। अत्याधुनिक संसाधनों के साथ यहां भक्तों की संख्या भी बढ़ी है। अब मनमोहक प्रस्तुतियों के बीच झांकियों का कारवां व रथ में शाही अंदाज में विराजे भगवान की झलक पाने को भक्तों का सैलाब भी यहां दिखता है। हर साल खास बनाती जा रही है।

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक /20 मंदसौर, दिनांक

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन क्रमांक एमपी 14 एडी 1699 जो कि परिवहन कार्यालय मंदसौर में श्री गोपाल जाटव पिता नंदलालजी निवासी अरनिया जटिया, जिला मंदसौर के नाम से पंजीकृत है।

यह सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी की मृत्यु दिनांक 24.12.2023 को हो चुकी है इसलिए उक्त वाहन का अंतरण अपने नाम से करने हेतु उनकी पत्नी श्रीमती गुडीबाई पति स्व. श्री गोपाल जाटव जिला मंदसौर ने इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है। इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपत्ति हो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। अंतरण आवेदक के नाम पर कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in